ज्येष्ठ शुक्ल - 30 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 313 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 11-06-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 तृणमूल कांग्रेस घुसपैठियों को बंगाल में बसने में मदद कर रही है : भूपेंद्र यादव

6 अंधविश्वास तथा आडम्बरों के घोर विरोधी थे संत कबीर

7 सच्ची भक्ति अपने अहंकार को त्यागकर ईश्वर के प्रेम पर भरोसा करने में है : तरूण खन्ना

फर्स्ट टेक

अवैध प्रवेश और वीज़ा के दुरुपयोग को बर्दाश्त नहीं करेगा अमेरिका

नई दिल्ली/भाषा। **अमेरिकी** दूतावास ने मंगलवार को यहां कहा कि अमेरिका देश में वैध यात्रियों का स्वागत करता रहेगा, लेकिन वह अवैध प्रवेश और वीजा के दुरुपयोग को बर्दाश्त नहीं कर सकता और न ही करेगा। 'एक्स' पर एक पोस्ट में दूतावास ने एक संक्षिप्त बयान में यह बात साझा की। इसमें कहा गया है, अमेरिका अपने देश में वैध यात्रियों का स्वागत करना जारी रखेगा। हालांकि, अमेरिका में आना उनका कोई अधिकार नहीं है। हम अवैध प्रवेश, वीजा का दुरुपयोग या अमेरिकी कानून का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं करेंगे।

पाकिस्तान ने रक्षा बजट में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की

इस्लामाबाद/भाषा। भारत के साथ तनाव के बीच पाकिस्तान ने मंगलवार को अपने रक्षा बजट में 20 प्रतिशत की वृद्धि की और वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 2,550 अरब पाकिस्तानी रुपए (9 अरब अमेरिकी डॉलर) आवंटित किए। वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने 'नेशनल असेंबली' (संसद) में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 17,573 अरब पाकिस्तानी रुपए का संघीय बजट पेश किया। उन्होंने नेशनल असेंबली में बजट दस्तावेज़ को वित्त विधेयक के रूप में भी पेश किया। अपने भाषण में, मंत्री ने कहा कि सरकार ने ''देश की रक्षा के लिए 2,550 अरब पाकिस्तानी रुपए आवंटित करने का फैसला किया है।'' उन्होंने रक्षा खर्च के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी क्योंकि परंपरागत रूप से रक्षा बजट पर संसद में चर्चा नहीं की जाती है।

रूस ने यूक्रेन के दो शहरों पर बड़ी संख्या में ड्रोन और मिसाइल हमले किए

कीव/एपी। रूस ने मंगलवार तड़के यूक्रेन के दो शहरों पर बड़ी संख्या में ड्रोन और मिसाइल के जरिये हमले किये, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। यूक्रेन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक बयान में हमले को युद्ध के दौरान ''अब तक के सबसे बड़े हमलों में से एक'' बताया। उन्होंने कहा कि रूस ने रात के दौरान 315 ड्रोन और सात मिसाइल दागीं। उन्होंने कहा कि दागे गए ड्रोन में से अधिकतर 'शहीद' ड्रोन थे। जेलेंस्की ने हमले के मद्देनजर अमेरिका और यूरोप से ''ठोस कार्रवाई'' का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''रूसी मिसाइल और शहीद ड्रोन हमलों की गूंज, रूस को शांति के रास्ते पर आने के लिए मजबूर करने के अमेरिका और दुनिया भर के अन्य देशों के प्रयासों से अधिक जोरदार है।''

11-06-2025 सूर्यास्त 6:45 बजे | 12-06-2025 सूर्योदय 5:53 बजे

BSE	NSE
82,391.72	25,104.25
(-53.49)	(+1.05)

सोना	चांदी
10,098 रु.	100,550 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जून में हनीमून

तपता सूरज प्यासी धरती,
है बहुत गर्म यह माह जून।
पानी मंहगा बिक रहा यहां,
सस्ता दिखता है आज खून।
रिश्ते हैं भेड़ों के जैसे,
जिनकी सब कतरे रोज ऊन।
दुल्हनें हो रहीं दगाबाज,
पोइजन से होते हनीमून।।

विदेश मंत्री एस जयशंकर की पाकिस्तान को चेतावनी

अगर उकसाया गया, तो पाकिस्तान में अंदर तक हमला करेगा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भारत के लड़ाकू विमानों और मिसाइलों ने पाकिस्तानी वायुसेना को कहीं ज्यादा नुकसान पहुंचाया है, जिसकी वजह से पाकिस्तान को शांति के लिए बाध्य होना पड़ा।

ब्रसेल्स/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चेतावनी दी है कि अगर आतंकवादी हमलों से उकसाया गया, तो भारत पाकिस्तान में अंदर तक हमला करेगा। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले जैसी जघन्य घटनाओं के मामले में आतंकवादी संगठनों और उनके नेताओं के खिलाफ प्रतिशोध के लिये जवाबी कार्रवाई की जाएगी।

पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारत द्वारा 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किए जाने के एक महीने बाद यूरोप की यात्रा पर आए जयशंकर ने यह भी कहा कि पाकिस्तान 'हजारों' आतंकवादियों को 'खुले में' प्रशिक्षित कर रहा है और उन्हें भारत में भेज रहा है। उन्होंने समाचार संस्थान 'पोलिटिको' से सोमवार को कहा, ''हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसलिए हमारा उन्हें संदेश है कि अगर आप अप्रैल में की गई बर्बर हरकतों को जारी रखते हैं, तो आपको प्रतिशोध के लिये जवाबी कार्रवाई का सामना करना होगा और यह कार्रवाई आतंकवादी संगठनों और आतंकवादी नेतृत्व के खिलाफ होगी।'' उन्होंने कहा, ''हमें परवाह नहीं है कि वे कहां हैं। अगर वे पाकिस्तान के अंदर हैं, तो हम पाकिस्तान में अंदर तक जाएंगे।''

गत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था। हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। भारत ने छह मई की देर रात को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचों पर सटीक हमले किए। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन तक सैन्य संघर्ष के उपरांत 10 मई को दोनों पक्षों के सैन्य अभियान महानिदेशकों की वार्ता के बाद सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी।

जयशंकर ने चेतावनी दी कि संघर्ष के मूल कारण जस के तस हैं।

'पोलिटिको' ने उनके हवाले से कहा, ''यह (पाकिस्तान) एक ऐसा देश है, जो आतंकवाद को राज्य की नीति के साधन के रूप में इस्तेमाल करने में लिप्त है। यही पूरा मुद्दा है।''

मोदी के 11 साल के शासन में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए : स्मृति ईरानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मंगलवार को कहा कि (नरेन्द्र) मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के बीते 11 साल के शासन में देश में करीब 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। उन्होंने कहा कि देश में चार करोड़ मकान गरीबों को उपलब्ध कराए गए और 15 करोड़ परिवारों को नल से पानी की आपूर्ति उपलब्ध कराई गई।

मोदी सरकार के शासन के 11 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए ईरानी ने कहा, ''बहुआयामी गरीबी से लोगों को बाहर निकालना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प रहा है। इसका नतीजा यह हुआ कि आज भारत ने देखा है कि कैसे 25 करोड़ नागरिक बहुआयामी गरीबी से बाहर निकलकर तेजी से समृद्धि की ओर बढ़ रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि भाजपा पांच सिद्धांतों पर आधारित है: राष्ट्रवाद, लोकतंत्र में विश्वास, गरीबों, शोषितों और वंचितों के प्रति गांधीवादी विचार, सभी धर्मों की समानता और मूल्य आधारित राजनीति।

ईरानी ने कहा कि उज्ज्वला योजना के तहत एलपीजी घरेलू गैस के लगभग 12 करोड़ कनेक्शन वितरित किए गए हैं, जबकि पिछले 11 वर्षों में 12 करोड़ शौचालय बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी मंत्रिमंडल में समाज के हर वर्ग का प्रतिनिधित्व है। उन्होंने कहा, ''मंत्रिपरिषद में 60 प्रतिशत से अधिक मंत्री अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदायों से हैं।''

राहुल को भारत से ज्यादा पाकिस्तान की चिंता : हिमंत विश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भारत से ज्यादा पाकिस्तान की चिंता करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल की 'नरेंदर-सरेंडर' वाली टिप्पणी देश के सशस्त्र बलों का अपमान है, जिन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया था।

शर्मा ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई पर भी अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि हाल ही में असम में विपक्षी दल के अध्यक्ष के रूप में उनकी नियुक्ति को इस तरह से प्रचारित किया गया, जैसे कि वह देश के राष्ट्रपति बन गए हों।

गुवाहाटी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय में संवाददाताओं से मुखातिब शर्मा ने कहा, कांग्रेस पूछ रही है कि ('ऑपरेशन सिंदूर' में) भारत को कितना नुकसान हुआ। हो सकता है कि नुकसान हुआ हो, लेकिन युद्ध जैसी स्थिति अभी भी बरकरार है। हमें यह पूछना चाहिए कि हमने पाकिस्तान को कितना नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने दावा किया, इससे पता चलता है कि राहुल गांधी को पाकिस्तान की अधिक चिंता है... ताकि अगर भारत कहे कि हमारा एक जेट नष्ट हो गया है, तो इसे पाकिस्तानी टेलीविजन पर दिखाया जा सके। शर्मा ने कहा कि अगर राहुल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पाकिस्तान को हुए नुकसान के बारे में पूछा होता, तो वह उन्हें बताते कि कैसे 70 आतंकवादी मारे गए और आठ हवाई अड्डे नष्ट कर दिए गए। उन्होंने दोहराया कि राहुल अपने 'नरेंदर-सरेंडर' कटाक्ष के जरिये वास्तव में यह कह रहे थे कि भारतीय सेना ने आत्मसमर्पण कर दिया, क्योंकि वह सशस्त्र बलों के कर्मी थे, जिन्होंने लड़ाकू विमान उड़ाए थे, न कि मोदी ने।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पिछले हफ्ते आरोप लगाया था कि भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का फोन आने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मसमर्पण कर दिया। इस बयान पर सत्तारूढ़ पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

एमयूडीए घोटाला:

ईडी ने 100 करोड़ रुपए मूल्य की 92 संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) के स्थलों के आवंटन में बड़े पैमाने पर हुए ''घोटाले'' के सिलसिले में 100 करोड़ रुपए के बाजार मूल्य वाली 92 संपत्ति को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस घोटाले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की भी कथित तौर पर संलिप्तता बताई जा रही है। प्रवर्तन निदेशालय ने अब तक इस 'घोटाले' के संबंध में 400 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने आरोप लगाया है कि कुर्क की गई संपत्ति 'हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसाइटीज' और ऐसे व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत हैं, जो एमयूडीए अधिकारियों सहित प्रभावशाली व्यक्तियों के लिए मुखौटा या 'डमी' के रूप में काम कर रहे थे। मुखौटा या 'डमी' से आशय ऐसे लोगों से है, जिनके नाम पर संपत्ति पंजीकृत होती है, लेकिन वे सिर्फ दिखावे के लिये मालिक होते हैं, जबकि उसका असली लाभ उठाने वाले प्रभावशाली लोग होते हैं, जो अपनी पहचान छिपाने के लिये दूसरों के नाम पर संपत्तियां पंजीकृत कराते हैं। केंद्रीय एजेंसी ईडी ने कहा, ''ईडी द्वारा कुर्क किए गए 92 एमयूडीए स्थल लगभग 300 करोड़ रुपए के बाजार मूल्य वाले 160 एमयूडीए स्थलों की पिछली कुर्की का ही हिस्सा हैं।''

रक्षा उत्पादन में आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता पर जोर : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भारत का रक्षा निर्यात 2014-15 में 1,940 करोड़ रुपए था जो 2024-25 में बढ़कर 23,622 करोड़ रुपए हो गया है।

■ भारत की मिसाइल शक्ति में सटीकता आई है और पहुंच बढ़ी है।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार के 11 वर्ष के कार्यकाल में रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं और रक्षा उत्पादन में आधुनिकीकरण तथा आत्मनिर्भरता दोनों पर स्पष्ट रूप से ध्यान केन्द्रित किया गया है।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, ''पिछले 11 वर्ष में हमारे रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं तथा रक्षा उत्पादन के मामले में आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भर बनने पर स्पष्ट ध्यान दिया गया है। यह देखकर खुशी होती है कि कैसे भारत के लोग देश को मजबूत बनाने के संकल्प के प्रति एकजुट हुए हैं।''

प्रधानमंत्री पद पर मंगलवार को 11 वर्ष पूरे होने पर मोदी ने सरकार के नागरिक सहभागिता मंच से एक 'थ्रेड' साझा किया जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में हुए बदलावों पर प्रकाश डाला गया। इसमें कहा गया है कि मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में मात्र 11 वर्षों में भारत की रक्षा क्षमताओं में क्रांतिकारी बदलाव आया है, रणनीतिक वैश्विक साझेदारियां प्रगाढ़ हुई हैं तथा अंतरिक्ष अन्वेषण में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की गई हैं।

इस 'थ्रेड' में कहा गया कि 'आत्मनिर्भर भारत' के उनके संकल्प से प्रेरित राष्ट्र ने आत्मनिर्भर नवाचार को अपनाया है और व्यापार एवं प्रौद्योगिकी में अपने प्रभाव को बढ़ाया है। इसमें कहा गया है कि 'इंडियाज राइज इन 11 इयर्स: पावर, पार्टनरशिप एंड प्रोग्रेस' में विभिन्न क्षेत्रों में सरकार की पहलों और उसके बाद हुए परिवर्तनों का उल्लेख किया गया है।

पोस्ट में कहा गया है कि भारत का रक्षा निर्यात 2014-15 में 1,940 करोड़ रुपए था जो 2024-25 में बढ़कर 23,622 करोड़ रुपए हो गया है। इसमें कहा गया कि देश ने अपने पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत का भी अनावरण किया है।

इसमें कहा गया, ''यह मजबूत भारत के प्रति प्रधानमंत्री मोदी के साहसिक दृष्टिकोण और अटूट प्रतिबद्धता से प्रेरित एक आत्मविश्वासी, निर्णायक और सम्मानित वैश्विक प्रणेता के रूप में भारत के उदय की कहानी है।''

इसमें कहा गया है कि भारत की मिसाइल शक्ति में सटीकता आई है और पहुंच बढ़ी है। इसमें ब्रह्मोस के विस्तारित रेंज संस्करण का भी जिक्र किया गया है जिसका सुखोई-30 एमकेआई से सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।

इसमें अन्य देशों के साथ भारत के मजबूत संबंधों पर भी प्रकाश डाला गया, जिसमें ब्रिटेन के साथ ऐतिहासिक व्यापार समझौते और संयुक्त अरब अमीरात के साथ व्यापक आर्थिक शक्ति समझौते पर हस्ताक्षर शामिल हैं।

वैश्विक शांति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि देश संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षक अभियानों में अग्रणी है, जिसके 2.9 लाख से अधिक सैनिक दुनिया भर में 50 मिशनों में तैनात हैं। इसमें कहा गया कि महामारी के दौरान भारत ने संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षकों के लिए कोविड-19 टीके की दो लाख खुराक भी प्रदान की थीं।

गाजा जा रहे जहाज को जब्त करने के बाद

इजराइल ने थनबर्ग को निर्वासित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरूशलम/एपी। इजराइल ने कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग को मंगलवार को निर्वासित कर दिया और इसके बाद वह पेरिस पहुंच गईं। वह जिस जहाज पर सवार थीं, उसे इजराइली सेना द्वारा जब्त किए जाने के एक दिन बाद यह घटनाक्रम हुआ।

इजराइल के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर विमान में सवार थनबर्ग की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि थनबर्ग विमान से फ्रांस पहुंचने के बाद अपने देश स्वीडन रवाना हो गईं।

इसने हवाई यात्रा से परहेज करने वाली जलवायु कार्यकर्ता थनबर्ग की एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह एक विमान में बैठी हुई दिखाई देती हैं।

पेरिस के 'चार्ल्स डी गॉल' हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद थनबर्ग ने 'फ्रीडम फ्लोटिला' समूह के हिरासत में लिए गए अन्य कार्यकर्ताओं की रिहाई की मांग की। उन्होंने हिरासत के दौरान ''काफी अराजक और अनिश्चित'' स्थिति का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि जिन परिस्थितियों का उन्होंने सामना किया, उनकी तुलना में वे कुछ भी नहीं हैं, जिनसे फलस्तीन और विशेष रूप से गाजा में लोग अभी गुजर रहे हैं।

थनबर्ग ने कहा, ''हम इस मिशन के जोखिमों से अच्छी तरह वाकिफ थे। इसका उद्देश्य गाजा पहुंचना और सहायता वितरित करना था।'' उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता गाजा को सहायता पहुंचाने का प्रयास जारी रखेंगे।

थनबर्ग ने कहा कि ऐसा लगता है कि वह स्वीडन वापस जा रही हैं और पिछले कुछ दिनों से उनके पास फोन नहीं है तथा वह नहाना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को अलग-अलग रखा गया था और कुछ को वकीलों तक पहुंचने में परेशानी हुई।

भारत की जनसंख्या 1.46 अरब के करीब, प्रजनन दर प्रतिस्थापन दर से नीचे पहुंची : संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भारत की कुल प्रजनन दर घटकर प्रति महिला 1.9 जन्म रह गई है, जो प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से नीचे है।

नई दिल्ली/भाषा। संयुक्त राष्ट्र की एक नई जनसांख्यिकी रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की जनसंख्या 2025 के अंत तक 1.46 अरब पहुंचने का अनुमान है, जो दुनिया में सर्वाधिक होगी। रिपोर्ट में, साथ ही, यह भी खुलासा किया गया है कि देश की कुल प्रजनन दर प्रतिस्थापन दर से नीचे आ गई है।

'वास्तविक प्रजनन संकट' शीर्षक वाली यूएनएफपीए की 'विश्व जनसंख्या स्थिति (एसओडब्लूपी) रिपोर्ट 2025' घटती प्रजनन क्षमता से घबराने के बजाय अपूर्ण प्रजनन लक्ष्यों पर ध्यान देने का आह्वान करती है।

इसमें कहा गया है कि लाखों लोग अपने वास्तविक प्रजनन लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम नहीं हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, कम जनसंख्या या अधिक जनसंख्या के बजाय वास्तविक संकट यही है, तथा इसका उत्तर बेहतर प्रजनन क्षमता में निहित है- अर्थात किसी व्यक्ति की संभोग, गर्भनिरोधक और परिवार शुरू करने के बारे में निर्णय लेने की क्षमता।

रिपोर्ट में जनसंख्या संरचना, प्रजनन क्षमता और जीवन प्रत्याशा में महत्वपूर्ण बदलावों का भी खुलासा किया गया है, जो एक बड़े जनसांख्यिकीय परिवर्तन का संकेत है। रिपोर्ट में पाया गया कि भारत की कुल प्रजनन दर घटकर प्रति महिला 1.9 जन्म रह गई है, जो प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से नीचे है।

इसका अर्थ यह है कि औसतन भारतीय महिलाएं एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक जनसंख्या का आकार बनाए रखने के लिए आवश्यक संख्या से कम बच्चे पैदा कर रही हैं।

जन्म दर में कमी के बावजूद, भारत की युवा जनसंख्या अब भी महत्वपूर्ण बनी हुई है, जिसमें 0-14 आयु वर्ग में 24 प्रतिशत, 10-19 आयु वर्ग में 17 प्रतिशत तथा 10-24 आयु वर्ग में 26 प्रतिशत युवा हैं।

देश की 68 प्रतिशत जनसंख्या कामकाजी आयु (15-64) वाली है, जो पर्याप्त रोजगार और नीतिगत समर्थन के साथ संभावित जनसांख्यिकीय लाभांश प्रदान करती है।

दावा न की गई जमा राशि सही मालिकों को लौटाने में तेजी लाएं: सीतारमण

मुंबई/भाषा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को विनियामकों और विभागों से दावा न किए गए जमा को सही मालिकों को वापस करने और केवाईसी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने को कहा। सीतारमण ने 'वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद' (एफएसडीसी) की 29वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि आम नागरिकों के हितों को ध्यान में रखा जाना चाहिए और सही दावेदारों के दावों पर तेजी से कदम उठाया जाना चाहिए।

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वित्त मंत्री ने परिषद से सक्रिय कदम उठाने का आह्वान किया ताकि नागरिकों को वित्तीय क्षेत्र में केवाईसी (अपने ग्राहक को जानो) से संबंधित प्रक्रियाओं के संबंध में सहज अनुभव मिल सके।

इस दौरान भारतीय प्रतिभूति बाजार में भारतीय मूल के लोगों समेत अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) के लिए डिजिटल रूप से जोड़े जाने सहित केवाईसी प्रक्रिया के सामान्य मानदंडों, सरलीकरण और डिजिटलीकरण की जरूरत पर जोर दिया गया।

सीतारमण ने नियामकों और विभागों से जिला स्तर पर विशेष शिविर लगाकर दावा न किए गए धन को उसके सही मालिकों को लौटाने की प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया।

यह अभियान आरबीआई, सेबी, एमसीए, पीएफआरडीए और आईआरडीए के साथ-साथ

बैंकों, पेंशन एजेंसियों, बीमा कंपनियों के साथ तालमेल में चलाया जाना है।

दावा न किए गए धन में बैंकों में जमा राशि के साथ ही दावा न किए गए शेयर एवं लाभांश और दावा न किए गए बीमा एवं पेंशन कोष शामिल हैं।

आरबीआई की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च 2024 के अंत तक बैंकों में दावा न की गई जमा राशि 26 प्रतिशत बढ़कर 78,213 करोड़ रुपए हो गई थी।

एफएसडीसी ने वृहद वित्तीय स्थिरता से संबंधित मुद्दों और उनसे निपटने के लिए भारत की तैयारियों पर चर्चा की। परिषद ने घरेलू और वैश्विक वृहद वित्तीय स्थिति से उभरते रुझानों पर विचार-विमर्श किया और सतर्क रहने की जरूरत पर बल दिया।

एफएसडीसी ने पिछले निर्णयों और बजट घोषणाओं को लागू करने के लिए रणनीति तैयार करने से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा की।

इस बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा के अलावा बाजार नियामक सेबी के प्रमुख तुहिन कांत पांडेय, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण के अध्यक्ष के. राजारमण और भारतीय दिवाला एवं शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

एफएसडीसी की बैठक में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, वित्त सचिव अजय सेठ, आर्थिक मामलों के विभाग की मनोनीत सचिव अनुराधा ठाकुर, वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू, कॉरपोरेट मामलों की सचिव दीप्ति गौर मुखर्जी, राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव और वित्त मंत्रालय के अन्य शीर्ष अधिकारी भी शामिल हुए।

हिरासत

02- दिल्ली पुलिस ने ऑल इंडिया स्टूडेंटस एसोसिएशन और अन्य छात्र संघ के सदस्यों को फिलिस्तीन मुद्दे पर इजरायल के खिलाफ उनके विरोध प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लेती हुई।

हनुमंतनगर तेरापंथ भवन में गूंजे आचार्य भिक्षु को समर्पित गीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन हनुमंतनगर में साध्वीश्री पुण्ययशा जी के सान्निध्य में रविवार को तेयुप हनुमंतनगर द्वारा संचालित महाश्रमण सुर संगम भजन मंडली द्वारा भिक्षु स्वामी की मासिक जेष्ठ सुदी तेरस के उपलक्ष्य में भिक्षु भजन संध्या का आयोजन किया गया। परिषद के अध्यक्ष कमलेश झाबक ने सभी का स्वागत किया। साध्वीश्री वर्धमानयशा जी ने सुमधुर गीतिका का गान किया।महाश्रमण सुर संगम के संयोजक सन्नी रांका, परिषद के उपाध्यक्ष देवेंद्र आंचलिया, संगठन मंत्री संदीप बाबेल, महिला मण्डल मंत्री मीनाक्षी देरासरिया, मोनिका कोठारी ने अपनी प्रस्तुतियों से पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। साध्वीश्री पुण्ययशा जी ने युवा वर्ग के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज हम गर्व के साथ तेरापंथ धर्म संघ का नाम लेते हैं यह आचार्य भिक्षु की देन है। आचार्य भिक्षु का 300वें जन्म शताब्दी वर्ष के आयोजन के बारे में जानकारी दी। साध्वीश्री ने कहा कि तेरापंथ प्रबोध का स्वाध्याय हर तेरस पर करना चाहिए एवं सभी को भिक्षु अष्टकम सीखना चाहिए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सभा व तेयुप पदाधिकारियों सहित श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थे।

विदेश से लौटे थरूर ने कहा: उच्च गुणवत्ता वाली बैठकें हुईं, अच्छे नतीजे रहे

नई दिल्ली/भाषा

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद वैश्विक स्तर पर भारत का पक्ष रखने के लिए अमेरिका व चार अन्य देशों का दौरा करने वाले बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख रहे और कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने मंगलवार को कहा कि उनके प्रतिनिधिमंडल ने ''बहुत उच्च गुणवत्ता वाली बैठकें'' कीं तथा अच्छे नतीजे देखने को मिले। उन्होंने कहा कि यह भी देखा गया कि भारत के रुख से लोग भली-भांति परिचित थे।

विदेश दौरे से सोमवार शाम लौटे थरूर ने दिल्ली हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि सांसदों को भेजने का उद्देश्य राजनीतिक सीमाओं से परे भारत की एकता को प्रदर्शित करना था और साथ ही सरकारी अधिकारियों, जन प्रतिनिधियों, थिंक टैंक, विमर्श तैयार करने वालों, मीडिया व विदेश में प्रवासी भारतीय नागरिकों को एक प्रभावी संदेश देना था।

उनका कहना था, ''यह सब कार्य बहुत अच्छी तरह से पूरा किया गया।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''मुझे लगता है कि यह एक बहुत अच्छी यात्रा थी। जिन पांच देशों में हम गए थे, उन्होंने जिस तरह से हमारा स्वागत किया उससे हम सभी बहुत खुश हैं। हमारा मानना है कि हर जगह हमारी यात्रा के अच्छे नतीजे रहे।''

थरूर ने बताया, ''हमारी बहुत उच्च गुणवत्ता वाली बैठकें हुईं। हम

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति, बहुत वरिष्ठ वार्ताकारों से मिले।'' उन्होंने कहा कि पहलगाम हमला और उसके बाद भारत की प्रतिक्रिया क्या होनी चाहिए थी, इस बारे में भारतीय रुख को लेकर पूरी समझ और समर्थन दिखा।

थरूर के अनुसार, जिन लोगों से बात की गई, उनमें से कई ने भारत द्वारा प्रतिक्रिया में दिखाए गए संयम के प्रति विशेष रूप से सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ''हमने वही किया जो हमें करने के लिए कहा गया था।''

थरूर ने कहा कि अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान उन्होंने देखा कि पाकिस्तान के पास पेश करने के लिए कोई कहानी नहीं बची है। उन्होंने कहा, ''फिर वे खुद को चरमपंथियों के पीड़ित के रूप में चित्रित करने की कोशिश करते हैं। मैंने उनसे कहा, '...यदि आप अपने घर में सांप पालते हैं, तो यह उम्मीद न करें कि वह केवल आपके दुश्मनों को ही डंसेगा। यही संदेश मैंने सभी को दिया है।''

मोदी ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से मुलाकात की

नई दिल्ली/भाषा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत के मजबूत रुख से अवगत कराने के लिए विश्व की राजधानियों की यात्रा पर गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से मंगलवार शाम मुलाकात की।

सदस्यों ने प्रधानमंत्री के साथ अपने अनुभव साझा किए। केंद्र सरकार पहले ही 50 से अधिक व्यक्तियों वाले सात प्रतिनिधिमंडलों के कार्य की प्रशंसा कर चुकी है, जिनमें अधिकतर वर्तमान सांसद हैं।

पूर्व सांसद और पूर्व राजनयिक भी इन प्रतिनिधिमंडलों का हिस्सा थे, जिन्होंने 33 विदेशी राजधानियों और यूरोपीय संघ का दौरा किया।

विदेश मंत्री एस जयशंकर पहले ही प्रतिनिधिमंडलों से मिल चुके हैं और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत के कड़े रुख को व्यक्त करने में उनके प्रयासों की सराहना कर चुके हैं।

चार प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसदों ने किया, जिनमें भाजपा के दो, जद (यू) के एक और शिवसेना के एक सांसद शामिल थे, जबकि तीन का नेतृत्व विपक्षी सांसदों ने किया जिनमें कांग्रेस, द्रमुक और राकांपा (एसपी) के एक-एक सांसद शामिल थे। भाजपा के रविशंकर प्रसाद और बैजयंत पांडा, कांग्रेस के शशि थरूर, जद (यू) के संजय झा, शिवसेना के श्रीकांत शिंदे, द्रमुक की कनिमोई और राकांपा (एसपी) की सुप्रिया सुले ने दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अपने-अपने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में राष्ट्रीय एकता का संदेश देने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजे थे, जिनमें कांग्रेस सांसद शशि थरूर और एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी जैसे लोग विदेशों में भारत के हितों की पैरवी करने के लिए सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्यों के साथ थे। प्रतिनिधिमंडलों में प्रमुख पूर्व सांसदों में पूर्व केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आजाद और सलमान खुर्शीद शामिल थे।

भारत पर अगर युद्ध थोपा गया तो जवाब ऑपरेशन सिंदूर होगा : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि भारत अब चुप रहने के बजाय पूरी ताकत के साथ जवाब देता है तथा अगर कोई भारत पर युद्ध थोपता है और आतंकवाद को बढ़ावा देता है तो इसका जवाब ऑपरेशन सिंदूर के रूप में मिलेगा। केंद्र में मोदी सरकार के 11 साल की सराहना करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि इन वर्षों को विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में स्वर्णिम काल के रूप में याद किया जाएगा। आदित्यनाथ केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व के 11 साल पूरे होने पर मंगलवार को एक पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे।कश्मीर में 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जवाबी कार्रवाई के तौर पर शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, अगर कोई हम पर युद्ध थोपता है या आतंकवाद को बढ़ावा देता है तो इसका जवाब सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर के रूप में मिलेगा। केंद्र की पिछली सरकारों की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, 2014 से पहले देश में आतंकवाद जैसे मुद्दों पर निष्क्रिय रहने की प्रवृत्ति थी। कहा जाता था कि भारत एक ऐसा राष्ट्र है जो केवल शांति की वकालत करता है - चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों। आदित्यनाथ ने कहा, आक्रामकता के सामने भी शांति का मंत्र जपने की प्रवृत्ति थी। यह मानसिकता गहराई से जड़ जमा चुकी थी। लेकिन मौजूदा नेतृत्व में उस दृष्टिकोण को पूरी तरह से उलट दिया गया है। अब, भारत चुप्पी से नहीं, बल्कि ताकत से जवाब देता है।

उन्होंने कहा, पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को एक अलग वैश्विक पहचान दी है। उनके शासन की पहचान सेवा, अच्छे प्रशासन और गरीबों के कल्याण से है। केंद्र में मोदी सरकार के 11 वर्षों के कामकाज की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इन वर्षों को विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के स्वर्णिम काल के रूप में याद किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश को ऐसा नेतृत्व मिला है जो भ्रष्टाचार, वंशवादी राजनीति और तुष्टिकरण से मुक्त है। आदित्यनाथ ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपने 140 करोड़ नागरिकों के लिए विश्वास का प्रतीक बनकर उभरा है और वैश्विक मंच पर उसने अपना वह सम्मान वापस पाया है, जो कांग्रेस और अन्य 'अस्थिर' सरकारों के 65 वर्षों के दौरान कम हो गया था।

जश्न

कनाडाई डांसर और अभिनेत्री नोरा फतेही, अभिनेता ईशान खट्टर के साथ, श्रृंखला 'द रॉयल्स' की सफलता के जश्न में शामिल हुईं।

स्वदेशी जागरण मंच विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के लिए राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करेगा

नई दिल्ली/भाषा। स्वदेशी जागरण मंच (एसजेएम) ने मंगलवार को कहा कि वह लोगों को स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करने और विदेशी सामान का बहिष्कार करने के लिए प्रोत्साहित करने के वास्ते इस सप्ताह एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करेगा। उसने सरकार से चीनी उत्पादों के आयात पर अंकुश लगाने की मांग भी की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध संगठन ने सरकार से अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते करते समय राष्ट्रीय हित की रक्षा करने और ई-कॉमर्स की बड़ी कंपनियों का नियमन करने की भी मांग की ताकि वह वस्तु की कीमतों को इतना कम न कर सकें जिससे छोटे व्यापारी प्रभावित हों।

एसजेएम के राष्ट्रीय सह समन्वयक अश्वनी महाजन ने एक बयान में कहा, 'स्वदेशी सुरक्षा एवं स्वावलंबन अभियान' को बृहस्पतिवार को एक कार्यक्रम में शुरू किया जाएगा। उन्होंने व्यापारियों, उद्योगों के प्रतिनिधियों, किसान, छात्रों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों समेत विभिन्न तबकों के लोगों से भारत को फिर से महान बनाने के लिए आंदोलन का हिस्सा बनने की अपील की। महाजन ने कहा,उपभोक्ता को एक जागरूक नागरिक बनना चाहिए, न कि केवल एक निष्क्रिय खरीदार। जब कोई एक चीनी आयात पर एक स्थानीय उत्पाद चुनता है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण और बहुत दुखद है : द्रविड

बेंगलूरु/नई दिल्ली। महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के आईपीएल खिताब जीतने के जश्न में बेंगलूरु में 11 लोगों की मौत पर दुख जताते हुए इस हादसे को दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद बताया। यह हादसा बुधवार को हुआ जब बेंगलूरु में चिन्नास्वामी स्टेडियम के आसपास अपने पसंदीदा क्रिकेटरों की एक झलक पाने के लिये ढाई लाख लोग जमा हुए थे। इससे मची भगदड़ में 11 लोग मारे गए और 56 घायल हो गए। भारत के पूर्व कोच और कप्तान द्रविड़ ने एनडीटीवी से कहा, ''यह काफी निराशाजनक है। बहुत दुखद।

उद्घाटन

दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ सद्भावना पार्क के उद्घाटन के दौरान।

मोटापा घटाने का दावा करने वाले इंजेक्शन वास्तविक जीवन में उतने कारगर नहीं : अध्ययन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। मोटापा घटाने का दावा करने वाले इंजेक्शन वास्तविक जीवन में क्लीनिकल परीक्षण जितने कारगर साबित नहीं होते, क्योंकि मरीज या तो इन्हें लेना बंद कर देते हैं या फिर इनकी खुराक कम कर देते हैं। अमेरिका में हुए एक नये अध्ययन में यह बात सामने आई है। डॉक्टर टाइप-2 डायबिटीज से पीड़ित मरीजों को वेगोवी और ओजेंपिक सहित अन्य इंजेक्शन सुझाते हैं, जिनमें पाए वाले सेमाग्लूटाइड या टिर्जेपेटाइड जैसे घटक वजन घटाने के साथ-साथ ब्लड शुगर का स्तर नियंत्रित करने में मददगार हैं। 'ओबेसिटी जर्नल' में प्रकाशित अध्ययन में शोधकर्ताओं ने वास्तविक जीवन में वजन घटाने और ब्लड शुगर नियंत्रित करने में मोटापा-रोधी इंजेक्शन का असर आंका।

मुख्य शोधकर्ता और अमेरिका स्थित क्लीवलैंड क्लीनिक से जुड़े डॉ. हैमलेट गैसोयन ने कहा, हमारा अध्ययन दिखाता है कि मोटापे पर काबू पाने के लिए सेमाग्लूटाइड या टिर्जेपेटाइड का सहारा लेने वाले मरीज वास्तविक जीवन में क्लीनिकल परीक्षण जितना वजन नहीं घटा पाते हैं। उन्होंने कहा, हमारे डेटा के मुताबिक, मरीजों का वास्तविक जीवन में मोटापा-रोधी इंजेक्शन का इस्तेमाल कुछ समय बाद बंद कर देना या फिर उनकी खुराक कम कर देना इसकी मुख्य वजह है। अध्ययन में 7,881 वयस्क मरीज शामिल हुए, जिनका औसत 'बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई)' 39 से ऊपर से था यानी वे मोटापे के गंभीर स्वरूप का सामना कर रहे थे। बीएमआई के तहत व्यक्ति की लंबाई और वजन के अनुपात के आधार पर शरीर में वसा की मात्रा का अनुमान लगाया जाता है। प्रतिभागियों में से 1,320 अध्ययन की शुरुआत के दौरान 'प्री-डायबिटीज स्टेज' में थे, जिसका मतलब यह है कि उनके टाइप-2 डायबिटीज की चपेट में आने का खतरा ज्यादा था। सभी प्रतिभागियों ने 2021 से 2023 के बीच सेमाग्लूटाइड या टिर्जेपेटाइड से लैस मोटापा-रोधी इंजेक्शन लेना शुरू किया था। शोधकर्ताओं ने इंजेक्शन लेने के एक साल बाद प्रतिभागियों के वजन और ब्लड शुगर के स्तर पर उसके प्रभाव का पता लगाया। उन्होंने पाया कि जिन प्रतिभागियों ने तीन महीने के भीतर इंजेक्शन लेना बंद कर दिया, उनका वजन 3.6 फीसदी कम हुआ। वहीं, तीन से 12 महीने के बीच इंजेक्शन लेना बंद करने वाले प्रतिभागियों के वजन में औसतन 6.8 फीसदी की कमी आई। शोधकर्ताओं ने बताया, एक साल तक इंजेक्शन लेने वाले प्रतिभागी औसतन 8.7 फीसदी वजन घटाने में सफल रहे। जल्द इंजेक्शन छोड़ने (तीन महीने के भीतर), देर से बंद करने (तीन से 12 महीने के भीतर) और एक साल के बाद भी इसे जारी रखने वाले प्रतिभागियों के वजन में क्रमश: औसतन 3.6 फीसदी, 6.8 फीसदी और 11.9 फीसदी की कमी दर्ज की गई। अध्ययन में यह भी पाया गया कि जिन मरीजों को वजन और ब्लड शुगर का स्तर नियंत्रित रखने के लिए सेमाग्लूटाइड या टिर्जेपेटाइड की अधिक खुराक सुझाई गई थी, उनके वजन में क्रमश: औसतन 13.7 प्रतिशत और 18 फीसदी की कमी आई।

'प्री-डायबिटीज स्टेज' वाले प्रतिभागियों की बात करें, तो जिन्होंने तीन महीने के भीतर इंजेक्शन लेना बंद कर दिया, उनमें से 33 प्रतिशत में ब्लड शुगर का स्तर सामान्य बना रहा। वहीं, तीन से 12 महीने के भीतर इंजेक्शन लेना बंद करने वालों में यह आंकड़ा 41 फीसदी और इंजेक्शन जारी रखने वालों के मामले में 67.9 प्रतिशत था।

मोदी के सक्षम नेतृत्व ने 'नीतिगत पंगुता' को समाप्त किया : प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्र में नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री को स्थिर सरकार देने का श्रेय दिया, जिससे देश में प्रगति, विकास और समृद्धि को बढ़ावा मिला है। वर्तमान सरकार की तुलना वर्ष 2014 से पहले सत्ता में रही संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के साथ करते हुए जोशी ने कहा कि 1984 के बाद, अस्थिरता के कारण लगभग गंभीर नीतिगत पंगुता थी। उन्होंने आरोप लगाया कि वह एक कमज़ोर नेतृत्व के साथ सबसे अस्थिर सरकार थी।

उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, आज, एक स्थिर सरकार है, सक्षम नेतृत्व है और इसके कारण विकास हो रहा है और इस विकास के कारण देश में समृद्धि को बिना किसी उपकरण की सहायता से आंखों से देखा जा सकता है। जोशी ने विश्व बैंक के एक अध्ययन का हवाला देते हुए दावा किया कि मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तहत अत्यधिक गरीबी 21 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत हो गई है।

विश्व बैंक के आंकड़े की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, 26 करोड़ से ज़्यादा लोग अत्यधिक गरीबी से बाहर आ चुके हैं। यह इस स्थिर सरकार, सक्षम नेतृत्व और मोदी सरकार द्वारा शुरू किए गए, लागू किए गए कल्याणकारी उपायों की वजह से संभव हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह पहली बार है जब कांग्रेस पार्टी के अलावा किसी अन्य नेता और पार्टी को लगातार जनादेश मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले पाकिस्तान आतंकवाद का इस्तेमाल ''छद्म युद्ध'' के रूप में करता था। उन्होंने कहा कि तब हम या तो चुप रहते थे या रोते थे।

पाकिस्तान में ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी शिविरों को निशाना बनाये जाने की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, आज भारत जवाबी कार्रवाई कर रहा है और हमारी रक्षा क्षमता कई गुना बढ़ गई है। चश्मे से लेकर जूते तक सब कुछ आयात किया जाता था, लेकिन आज हम रक्षा उपकरण निर्यात कर रहे हैं। रक्षा क्षेत्र में 5,000 वस्तुएं जो पहले आयात की जाती थीं, अब यहां स्वदेशी रूप से विकसित की जा रही हैं। 25,000 करोड़ रुपये के रक्षा उपकरण निर्यात किए गए हैं।

जोशी ने दावा किया कि 2026 तक सरकार नक्सलवाद का खात्मा कर देगी। विभिन्न कृषि योजनाओं को सूचीबद्ध करते हुए उन्होंने दावा किया कि कुल कृषि आवंटन लगभग 2 लाख से कई गुना बढ़कर 6 लाख करोड़ हो गया है और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से लगभग 25 करोड़ लोगों को लगभग 44 लाख करोड़ रुपये का लाभ हस्तांतरित किया गया है।

उन्होंने मोदी सरकार के तहत अंतरिक्ष मिशन और व्यापार करने में सुगमता में सुधार पर भी प्रकाश डाला और कहा कि भारत वैश्विक रैंकिंग में 142 से 63 पर आ गया है।

उन्होंने कहा, भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और बहुत जल्द, हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं और देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) अब तक का सबसे अधिक है और कुल मिलाकर, अब भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए जोशी ने इस त्रासदी के लिए कर्नाटक राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने खुद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाला था, जिसमें आरसीबी की जीत का जश्न व्यापक पैमाने पर मनाने का आह्वान किया गया था। उस भगदड़ की घटना में 11 लोगों की मौत हो गई थी।

उन्होंने कहा, और वह (मुख्यमंत्री) कह रहे हैं कि मुझे जानकारी नहीं दी गई थी। पुलिस ने कुछ आशंका व्यक्त की है...तो फिर आपने विधान सौधा के सामने समारोह कैसे किया। और आज, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ और डीएनए (इवेंट मैनेजमेंट कंपनी) ने भी कहा है कि ''उन्होंने कभी समारोह का विकल्प नहीं चुना था और क्योंकि इन लोगों ने दो जगहों पर समानांतर समारोह आयोजित किया था, इसलिए पुलिस ने (विधान सौधा में) अधिक सुरक्षा दी और (स्टेडियम में) कम सुरक्षा दी, यह हलफनामे में दर्ज है। यह क्या अनर्गल बात है?''

भगदड़ मामले में उच्च न्यायालय में विस्तृत जवाब दाखिल करेंगे महाधिवक्ता : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि चार जून को यहां हुई भगदड़ के संबंध में उच्च न्यायालय द्वारा उठाए गए सवालों पर महाधिवक्ता (एजी) विस्तृत जवाब दाखिल करेंगे। भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। मंत्री का यह बयान उच्च न्यायालय द्वारा इस घटना के संबंध में दायर याचिका पर अगली सुनवाई 12 जून को निर्धारित किए जाने के बाद आया है। न्यायालय ने महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी को सीलबंद लिफाफे में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। परमेश्वर ने यहां संवाददाताओं से कहा, न्यायालय द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब दिए जाने हैं।

महाधिवक्ता जवाब तैयार करके देंगे। सरकार की ओर से जो कहना है, वह कहेंगे। उन सभी बातों पर चर्चा हो चुकी है। मुख्यमंत्री, ''मुख्य सचिव और महाधिवक्ता ने चर्चा की है। तथ्य न्यायालय को बताए जाएंगे।''

यह पूछे जाने पर कि क्या जांच रिपोर्ट पेश की जाएगी, उन्होंने कहा, ''पहले इसे सरकार के पास आना चाहिए। सरकार के पास आने के बाद न्यायालय को सूचित किया जा सकता है। तब तक कुछ नहीं कहा जा सकता।'' पिछले सप्ताह, उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को नौ महत्वपूर्ण प्रश्नों के विस्तृत उत्तर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति सी एम जोशी की खंडपीठ ने इस घटना के मद्देनजर पिछले बृहस्पतिवार को अदालत द्वारा स्वत: संज्ञान लेते हुए दाखिल रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए कुछ प्रश्न पूछे: आरसीबी की जीत का जश्न मनाने के लिए किसने कार्यक्रम को अधिकृत किया? निर्णय कब और कैसे लिया गया? क्या आयोजकों ने आवश्यक अनुमति प्राप्त की थी?

'आज देश में ही नहीं, विदेशों में भी पहचान बना रही हिंदी'

राजभाषा कार्यशाला का आयोजन हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय खाद्य निगम के क्षेत्रीय कार्यालय में मंगलवार को महाप्रबंधक (क्षेत्र) बीओ महेश्वरप्पा की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन एवं आईटी टूल्स में 'हिंदी की उपयोगिता' पर राजभाषा कार्यशाला हुई। इसका उद्घाटन महेश्वरप्पा के साथ डीआरडीओ के सहायक निदेशक (राजभाषा) डॉ. मालतेश मैलार, उप महाप्रबंधक (क्षेत्र) शेखर अरविंद, उप महाप्रबंधक (संचालन) रमेश नायक, उप महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) उदय बीर सिंह, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) पुंकेश्वर कुमार बिहारी द्वारा किया गया। इसके बाद महेश्वरप्पा ने अतिथि वक्ता डॉ. मालतेश मैलार को पौधा भेंट कर स्वागत किया।

महेश्वरप्पा ने अपने संबोधन में वार्षिक कार्यक्रम 2025-26 के सभी निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आज हिंदी देश में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी अपनी पहचान बना रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ में भी हिंदी को भाषा का दर्जा दिलाने की कोशिश जारी है। डॉ. मालतेश मैलार ने राजभाषा कार्यान्वयन एवं हिंदी आईटी टूल्स के तहत राजभाषा नियम, अधिनियम, प्रोत्साहन योजना, वार्षिक कार्यक्रम एवं राजभाषा कार्यान्वयन में आने वाली समस्याओं का समाधान विषय पर जानकारी दी।

कार्यशाला के दूसरे सत्र में मनोज कुमार साव ने कंठस्थ 2.0 एवं यूनिकोड के बारे में जानकारी देकर प्रतिभागियों से अभ्यास करवाया। कार्यक्रम का संचालन मनोज कुमार साव ने किया। श्याम बाबू दांगी ने स्वागत भाषण दिया। कैलाश कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

बेंगलूरु भगदड़ : मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन करेगी भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिव्वमोग्गा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई ने बेंगलूरु में चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास मची भगदड़ के लिए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को कसूरवार ठहराते हुए उनके इस्तीफे की मांग को लेकर राज्यव्यापी विरोध-प्रदर्शन करने की मंगलवार को घोषणा की। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि 13 जून को बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन किया जाएगा, जिसके बाद मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने की योजना है और 16 जून को सभी विधानसभा क्षेत्रों में विरोध-प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि सिद्दरामय्या और शिवकुमार जब तक इस्तीफा नहीं दे देते, तब तक विरोध-प्रदर्शन जारी रहेगा।

आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की जीत का जश्न मनाने के लिए बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमियों की भीड़ जुटने के बाद चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास पिछले बुधवार को मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी और 56 अन्य घायल हो गए थे।

शिव्वमोग्गा में संवाददाताओं से मुखातिब विजयेंद्र ने कहा, मैंने मीडिया में आई उन खबरों को देखा है, जिनमें कहा गया है कि कांग्रेस आलाकमान ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को दिल्ली बुलाया है। मुझे नहीं पता कि कांग्रेस आलाकमान कितना मजबूत है, आप जानते होंगे... मुझे उम्मीद नहीं है कि कांग्रेस आलाकमान जिम्मेदारी के साथ काम करेगा और सिद्दरामय्या और शिवकुमार का इस्तीफा लेगा तथा गृह मंत्री जी परमेश्वर को जिम्मेदार ठहराएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में काम करेगी और उसने विरोध-प्रदर्शन शुरू करने का फैसला किया है।

विजयेंद्र ने आरोप लगाया, यह जनविरोधी और भ्रष्ट कांग्रेस सरकार है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री अपनी करतूतों के कारण लोकप्रियता खो रहे हैं। वे जब तक सत्ता में रहेंगे, तब तक लोगों का कोई भला नहीं होगा और राज्य की छवि को भी नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने कहा, भाजपा ने इस सरकार के सत्ता से बाहर न होने तक विरोध-प्रदर्शन करने का फैसला किया है। 13 जून को पार्टी के 15,000-20,000 कार्यकर्ता, इस सरकार से नाराज लोग और मृतकों के परिजन विरोध-प्रदर्शन में हिस्सा लेंगे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच आईपीएल में आरसीबी की जीत को अपने राजनीतिक फायदे के लिए भुनाने की होड़ के चलते बेंगलूरु में दो बार जीत का जश्न मनाया गया। उन्होंने दावा किया कि जब मुख्यमंत्री ने विधान सौधा (कर्नाटक विधानमंडल परिसर) की सीढ़ियों पर आरसीबी टीम को सम्मानित करने का फैसला किया, तो शिवकुमार ने अपनी शक्ति का इस्तेमाल करते हुए चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक और समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया।

विजयेंद्र ने कहा, शिवकुमार हवाई अड्डे पर ऐसे पहुंचे, जैसे वह खुद कोई चैंपियन हों और उनका (टीम का) स्वागत किया। हमने इसके दृश्य देखे हैं। उन्होंने विधान सौधा में प्रस्तावित कार्यक्रम के बारे में 'एक्स' पर मुख्यमंत्री के पोस्ट की ओर इशारा किया, जिसमें लोगों से इसमें शामिल होने का आह्वान किया गया था। सरकार को कार्यक्रम की अनुमति देने से इनकार करने के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी, विधान सौध सुरक्षा) के पत्र का जिक्र करते हुए विजयेंद्र ने कहा, सरकार ने पत्र को गंभीरता से नहीं लिया और अनुमति दे दी गई, क्योंकि वे आरसीबी की जीत से राजनीतिक लाभ पाने के लिए उत्सुक थे।

विजयेंद्र ने सिद्दरामय्या के इस बयान की निंदा कि विधान सौधा में कोई अप्रिय घटना नहीं हुई, जहां उन्होंने आरसीबी टीम को सम्मानित किया था। भाजपा नेता ने दावा किया कि ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री यह कहना चाह रहे हैं कि स्टेडियम में जीत के जश्न का नेतृत्व शिवकुमार ने किया था और वहां हुई मौतों के लिए वही जिम्मेदार हैं।

विजयेंद्र ने कहा कि ये 11 मौतें दुर्घटनावश नहीं हुई थीं। उन्होंने आरोप लगाया, इनके लिए न केवल राज्य सरकार की लापरवाही जिम्मेदार है, बल्कि यह एक आपराधिक घटना है। भाजपा नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री की गलतियों को छिपाने के लिए उपायुक्त बी दयानंद सहित पांच वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया और पुलिस अधिकारियों को किसी और ने नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री ने ही बलि का बकरा बनाया। उन्होंने कहा कि निलंबन की यह कार्रवाई भी तब हुई, जब उच्च न्यायालय ने मामले का स्वत: संज्ञान लिया और राज्य सरकार से कई सवाल पूछे। विजयेंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री का उस दिन मौतों के बावजूद जश्न जारी रखना अमानवीय था। भाजपा नेता ने स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम से किनारा करने और यह दावा करने के लिए सिद्दरामय्या पर निशाना साधा कि उन्हें शाम पांच बजे तक भगदड़ और मौतों के बारे में जानकारी नहीं थी। विजयेंद्र ने कटाक्ष किया, हमारे मुख्यमंत्री इतने भोले हैं कि उन्हें मौतों के बारे में पता ही नहीं था। वह होटल में डोसा खा रहे थे।

कांग्रेस की कर्नाटक सरकार कराएगी जातिगत गणना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से सोमवार को बेंगलूरु भगदड़ मामले को लेकर पूरी जानकारी ली तथा यह स्पष्ट किया कि सरकार का रुख जनोन्मुखी होना चाहिए। पार्टी आलकमान ने यह भी तय किया कि कर्नाटक में कुछ समुदायों की चिंताओं को दूर करने के लिए राज्य में जातिगत आंकड़ों को फिर से एकत्र किया जाएगा। कुछ समुदायों ने 10 साल पहले किए गए जातिगत सर्वेक्षण से बाहर रखे जाने जाने की शिकायत की थी।

कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार ऐसे समय जातिगत गणना कराने जा रही है जब केंद्र सरकार ने देश में जनगणना शुरू कराने की आधिकारिक घोषणा कर दी हैं जिसमें जातिगत आंकड़े भी एकत्र किए जाएंगे। कांग्रेस मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में हुई उच्च-स्तरीय बैठक में बेंगलूरु भगदड़ और इस पर सरकार के कदमों को लेकर भी चर्चा की गई। बीते चार जून को मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार उपस्थित थे। इस बैठक में जातिगत सर्वेक्षण का मुद्दा प्रमुखता से उठा।

बैठक के बाद कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा, ''जातिगत गणना पर चर्चा हुई। कांग्रेस पार्टी सोच रही है कि कर्नाटक सरकार ने जातिगत गणना में जो कुछ भी किया है, उस पर सैद्धांतिक रूप से सहमति होनी चाहिए। लेकिन जाति की गिनती को लेकर कुछ वर्गों और समुदायों में कुछ आशंकाएं हैं।'' उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने एक दशक पहले जातिगत गणना कराई थी और यह आंकड़ा अब पुराना हो चुका है।

वेणुगोपाल ने कहा, ''कांग्रेस पार्टी ने मुख्यमंत्री को एक निर्धारित समय, जैसे 60-80 दिनों के भीतर पुन: गणना प्रक्रिया कराने का सुझाव दिया है। हमने बैठक में जाति गणना के बारे में यही निर्णय लिया है।'' वेणुगोपाल ने कहा, ''भगदड़ की दुखद घटना समेत राजनीतिक हालात पर सार्थक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष (शिवकुमार) ने पार्टी नेतृत्व को भगदड़ की घटना और इसके बाद सरकार द्वारा की गई कार्रवाई के बारे में जानकारी दी।''

उनका कहना था, ''हमें मानवीय जीवन की बहुत चिंता है। दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई और सरकार न्यायिक जांच का आदेश दे चुकी है। पार्टी इस घटना की जांच के विवरण में नहीं जाना चाहती है। पार्टी का स्पष्ट मानना है कि सरकार का जनोन्मुखी रवैया होना चाहिए।'' वेणुगोपाल ने यह आरोप लगाया कि केंद्र सरकार केंद्रीय योजनाओं के लिए आवंटन में कर्नाटक को पूरी तरह से नजरअंदाज कर रही है तथा राज्य के लोगों के साथ अन्याय कर रही है। समझा जाता है कि विधान परिषद में नामांकन के लिए राज्यपाल को भेजे जाने वाले चार नामों पर भी चर्चा हुई। ऐसी खबरें थीं कि पार्टी आलाकमान के निर्देश के बाद नामों को रोक दिया गया था।

सरकार में किसी संभावित बदलाव के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा, ''कोई योजना में नहीं है।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस महासचिव (वेणुगोपाल) पहले ही बोल चुके हैं और सबकी एक आवाज, पार्टी एकजुट है।''

बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, बागलकोट का दीक्षांत समारोह

राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने फूलों और औषधीय फसलों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बागलकोट। बागलकोट के मुख्य सभागार में मंगलवार को बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय का 14वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर कर्नाटक के माननीय राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने उपस्थित होकर मेधावी स्नातकों को स्वर्ण पदक प्रदान किए। सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने देश के आर्थिक विकास और कृषि सकल घरेलू उत्पाद में बागवानी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'कर्नाटक बागवानी में अग्रणी राज्यों में से एक है। यह क्षेत्र न केवल कृषि उत्पादकता में महत्वपूर्ण योगदान देता है, बल्कि रोजगार, पर्यावरणीय स्थिरता और पोषण सुरक्षा में भी योगदान देता है।' कृषि और बागवानी के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की सराहना करते हुए राज्यपाल ने इसका श्रेय महिला सशक्तिकरण के लिए चल रही पहलों की सफलता को दिया।

उन्होंने फूलों की खेती और औषधीय फसलों की अपार संभावनाओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा, भारत अपने उच्च गुणवत्ता वाले फूलों के उत्पादन के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहा है। सौंदर्य प्रसाधनों और हर्बल उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग को देखते हुए, किसानों को फूलों की खेती और औषधीय पौधों की खेती में विविधता लाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

राज्यपाल ने प्रौद्योगिकी अंतर को पाटने और उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए वैज्ञानिकों और ग्रामीण किसानों के बीच मजबूत संबंधों का आह्वान किया। उन्होंने कहा, बागवानी क्षेत्र में प्रति इकाई भूमि पर अधिक आय, रोजगार और पोषण की संभावना है।

औषधीय और सुगंधित फसलों की वैश्विक मांग है और किसानों को उन्नत खेती तकनीक अपनानी चाहिए। भारत के विविध कृषि-जलवायु क्षेत्रों को पहचानते हुए राज्यपाल गहलोत ने युवाओं को फूलों की खेती को व्यवसायिक अवसर के रूप में तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, फूलों की खेती सिर्फ़ फूलों की खेती तक सीमित नहीं है - इसमें मार्केटिंग, सौंदर्य प्रसाधन, दवा और निर्यात शामिल हैं। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ हमारे युवा उद्यमी के रूप में कामयाब हो सकते हैं। उन्होंने टिकाऊ कृषि, डिजिटल खेती और जलवायु-अनुकूल बागवानी पर वैश्विक फोकस पर भी बात की। उन्होंने कहा, नवाचार और आत्मनिर्भरता के युग में, फसल विविधता, खाद्य प्रसंस्करण, निर्यात और ग्रामीण आजीविका में परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिए प्रशिक्षित वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और कृषि-उद्यमियों की तत्काल आवश्यकता है।

राज्यपाल गहलोत ने विद्यार्थियों और संस्थानों से स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी राष्ट्रीय पहलों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि कृषि आधारित स्टार्टअप भारत को चौथी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कांग्रेस आलाकमान ने सिद्दरामय्या, शिवकुमार से कहा, सरकार का जनोन्मुखी रवैया हो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या एवं उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने मंगलवार को नयी दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात कर उनके समक्ष भगदड़ की घटना और उसके बाद की गई कार्रवाई का ब्यौरा रखा। पार्टी आलाकमान ने मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री से कहा कि राज्य सरकार का जनोन्मुखी रवैया होना चाहिए। कांग्रेस नेतृत्व ने भगदड़ की घटना को लेकर दोनों तलब किया था। खरगे और राहुल गांधी के साथ सिद्दरामय्या और शिवकुमार की मुलाकात के दौरान केंद्र सरकार के कर्नाटक सरकार के साथ ''अन्याय'' और कुछ अन्य विषयों पर चर्चा की गई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की आईपीएल के फाइनल मुकाबले में पहली जीत का जश्न मनाने के लिए चार जून को यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक समारोह आयोजित किया गया था, लेकिन स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो गई थी और 56 से अधिक लोग घायल हुए थे।

कांग्रेस मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में हुई बैठक के बाद पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा, भगदड़ की दुखद घटना समेत राजनीतिक हालात पर सार्थक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष (शिवकुमार) ने पार्टी नेतृत्व को भगदड़ की घटना और इसके बाद सरकार द्वारा की गई कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। उनका कहना था, हमें मानवीय जीवन की बहुत चिंता है। दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई और सरकार न्यायिक जांच का आदेश दे चुकी है। पार्टी इस घटना की जांच के विवरण में नहीं जाना चाहती है। पार्टी का स्पष्ट मानना है कि सरकार का जनोन्मुखी रवैया होना चाहिए।'' वेणुगोपाल ने यह आरोप लगाया कि केंद्र सरकार केंद्रीय योजनाओं के लिए आवंटन में कर्नाटक को पूरी तरह से नजरअंदाज कर रही है तथा राज्य के लोगों के साथ अन्याय कर रही है। इससे पहले, राज्य के लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने दिल्ली में संवाददाताओं से कहा, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री (आरसीबी के विजय समारोह के दौरान स्टेडियम के बाहर) भगदड़ की घटना पर चर्चा के लिए आलाकमान से मिलने आए हैं। पार्टी आलाकमान ने उन्हें बुलाया है।

जारकीहोली ने कहा कि यह निर्धारित करने के लिए जांच की जा रही है कि क्या सरकार की ओर से किसी तरह की लापरवाही हुई है। उन्होंने कहा, अंतिम जांच रिपोर्ट आने के बाद सच सामने आ जाएगा। मंत्री ने कहा कि वह केंद्रीय मंत्रियों से मिलने और राज्य परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में हैं। सिद्दरामय्या और शिवकुमार ने कांग्रेस मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में पार्टी अध्यक्ष से मुलाकात की।

इस घटना के बाद राज्य की कांग्रेस सरकार की तीखी आलोचना हो रही है तथा विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) ने मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री दोनों को इसके लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराते हुए उनके इस्तीफे की मांग की है। सिद्दरामय्या ने इस घटना से खुद को अलग कर लिया था और कहा था कि उन्हें देर से सूचित किया गया था और स्टेडियम के इस कार्यक्रम का आयोजन सरकार ने नहीं किया था।

श्लॉस बेंगलोर की अनुषंगी को 4.66 करोड़ रुपये की कर मांग को लेकर नोटिस

बेंगलूरु/नई दिल्ली। लीला पैलेस होटल और रिसॉर्ट का संचालन करने वाली कंपनी श्लॉस बेंगलोर ने मंगलवार को कहा कि उसकी अनुषंगी कंपनी को केंद्रीय जीएसटी विभाग, जयपुर से 4.66 करोड़ रुपये की कर मांग को लेकर कारण बताओ नोटिस मिला है।

न्यायालय ने भगदड़ मामले में आरसीबी के अधिकारी को अंतरिम राहत देने से इनकार किया

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने चार जून को यहां स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने और उसमें 11 लोगों की मौत के मामले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) के विपणन प्रमुख निखिल सोसले को किसी प्रकार की अंतरिम राहत देने से मंगलवार को इनकार कर दिया। अदालत ने सोसले की याचिका पर अपना आदेश 11 जून तक सुरक्षित रखा। सोसले को केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) ने छह जून को बेंगलूरु के केंपेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से गिरफ्तार किया था, जब वह दुबई जाने वाला था।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
प्रपत्र 10-01
भारतीय रेल
"सार्वजनिक अधिसूचना"

यह सूचित किया जाता है कि साउथ वेस्टर्न रेलवे के अधीन नीचे वर्णित क्षेत्र में स्थित रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं को ज्ञात हो कि 25000 वोल्ट, 50 हर्ट्ज एसी सिंगल फेज ओवरहेड ट्रैक्शन तार निर्दिष्ट तिथि या उसके बाद विद्युतीकृत किए जाएंगे। उक्त तिथि से ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को हमेशा जीवित (लाइव) माना जाएगा, और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवरहेड लाइन के निकट न जाए तथा उसके आसपास कोई कार्य न करे.

खंड – 25 केवी, 50 हर्ट्ज, एसी, एकल चरण ओवरहेड उपकरण (OHE) के संशोधन एवं विद्युतीकरण का कार्य, जो मौजूदा सलेम (SA) लाइन के अर्ध– स्थायी मार्ग परिवर्तन हेतु किया जाएगा, चेनेंजिंग च: 343932.60 (SA-CH:205755.60) से लेकर च: 343615.15 (SA-CH:205438.15) तक, बैय्यप्पनहल्ली यार्ड में प्रस्तावित तृतीय लाइन बिछाने के कार्य के अंतर्गत किया जा रहा है। यह कार्य बेंगलुरु मंडल की गति शक्ति इकाई की बेंगलुरु कैंटोनमेंट – व्हाइटफील्ड चौगुनीकरण परियोजना से संबंधित है, जो दक्षिण पश्चिम रेलवे के अंतर्गत आता है।

संभावित विद्युतीकरण तिथि – 15.07.2025

उप. मुख्य विद्युत अभियंता/
गति शक्ति यूनिट/बेंगलुरु
PUB/177/AAD360/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR SWRRLY SWRRLY

बनास नदी में डूबने से आठ युवकों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोंक। राजस्थान के टोंक में बनास नदी में डूबने से मंगलवार को आठ युवकों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार जयपुर के रहने वाले ग्यारह लोग फ्रेजर पुल बनास नदी में पिकनिक मनाने आए थे और उनमें से आठ लोग बनास नदी में नहाने उतर गए। इस दौरान नदी के पानी में गहराई में चले जाने पर वे डूबने लगे। वहां मौजूद अन्य लोगों के चिल्लाने पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और डूबे लोगों को बाहर निकाला गया लेकिन तब तक वे दम तोड़ चुके थे। जयपुर से घूमने गये लोगों में तीन लोग नदी में नहीं उतरने से बच गये। डूबने वाले युवक जयपुर के हसनपुरा, घाटगेट, पानीपेच कच्ची बस्ती एवं रामगंज के रहने वाले थे।

हादसे पर राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी तथस कई नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है। बागड़े ने ईश्वर से मृतकों की आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। इसी तरह शर्मा ने हादसे पर शोक जताते हुए दिवंगत आत्माओं को शांति तथा शोकाकुल परिजनों को यह अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह घटना बहुत दुःखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों को घटनाक्रम पर सतत निगरानी रखने के लिए निर्देशित किया।

उन्होंने जिला प्रशासन को मृतकों के परिजनों को सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। इसी प्रकार देवनानी ने कहा कि युवको की डूबने से हुई मृत्यु यका समाचार अत्यंत दुख्द और पीड़ादाय है। ईश्वर से दिवंत आत्माओं को शांति एवं शोकाकुल परिजनों को यह अपार दुख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी हादसे पर दुख प्रकट किया और कहा कि टोंक में बनास नदी में डूबने से आठ युवकों की मृत्यु होना अत्यंत ही दुखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा मेरी गहरी संवेदनाएं शोकाकुल माता-पिता एवं परिजनों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन एवं सरकार यह सुनिश्चित करें कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। गहलोत ने ईश्वर से मृतकों की आत्मा को शांति तथा परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य तथा संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

इसी तरह उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी एवं डा प्रेम चंद बैरवा, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट एवं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कई नेताओं ने इस हादसे पर गहरा दुख प्रकट किया और दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डीडवाना-कुचामन। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने कहा है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को केंद्र एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से मिले, ग्रामीण क्षेत्र में आमजन को योजनाओं की जानकारी देकर लाभांवित करे तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक अभिवृद्धि के लिए विशेष प्रयास किये जाए। बागड़े मंगलवार को नगर परिषद कुचामन के मीटिंग हॉल में डीडवाना-कुचामन जिले के जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे।

बागड़े ने विभागवार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए शिक्षा विभाग को नई शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षण प्रशिक्षण कराते हुए विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने एवं उनके सर्वांगीण विकास के प्रयास करने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि भारत के ऐतिहासिक एवं प्राचीन ग्रंथ ज्ञान के महत्वपूर्ण भंडार हैं। इससे विद्यार्थियों के बौद्धिक ज्ञान में वृद्धि हो ऐसे प्रयास हमारी शिक्षण व्यवस्था द्वारा किये जाए।

उन्होंने जिले के ग्रामीण क्षेत्र में ड्रॉप-आउट विद्यार्थियों को पुन: शिक्षा से जोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाने के निर्देश दिए। बागड़े ने पीएम आवास योजना की समीक्षा करते हुए पात्र व्यक्तियों को आवास उपलब्ध कराने, पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत दूर-दराज तक के गांवों एवं ढाणियों को सड़कों से जोड़ने, जल जीवन मिशन के तहत नल कनेक्शन से शेष रहे घरों तक शीघ्र नल द्वारा जल पहुंचाने के लिए निर्देश दिए।

उन्होंने जिले में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी लेकर बारिश के मौसम में अधिकाधिक वृक्षारोपण करने, ग्रामीण क्षेत्रों में तालाबों की सफाई कराने तथा वर्षा जल का संग्रहण के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों की समीक्षा करते हुए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कचरा संग्रहण एवं निस्तारण व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की और कचरे को उचित प्रकार से निस्तारित करने, जैविक खाद बनाने के लिए निर्देश दिए। बागड़े ने कहा कि जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी को विभाग के छात्रावासों में विद्यार्थियों के लिए खेल-कूद से संबंधित जरूरी व्यवस्थाएं करने की ज़रूरत है।

उन्होंने पशुपालन विभाग, डेयरी विभाग, राजीविका,चिकित्सा सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा कर पात्रों तक लाभ पहुंचाने के लिए निर्देशित किया। बैठक के दौरान जिला कलक्टर पुखराज सेन ने पीपीटी के माध्यम से विभागवार प्रगति की जानकारी प्रदान की। बागड़े ने जिला पुलिस अधीक्षक से जिले में कानून एवं व्यवस्था की जानकारी प्राप्त कर बच्चों एवं महिलाओं से जुड़े अपराधों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक से पहले राज्यपाल ने मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से पीड़ित पांच बच्चों को इलेक्ट्रॉनिक व्हीलचेयर वितरित की। इसके अलावा उन्होंने परबतसर उपखंड की ग्राम पंचायत खोखर में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत बालाजी मन्दिर पर पौधारोपण किया और वहां मौजूद ग्रामीणों से संवाद कर अधिक से अधिक पौधारोपण करने का आह्वान किया।

मोदी के मजबूत संकल्प ने बदली भारत की तकदीर व तस्वीर : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मजबूत संकल्प व अदम्य इच्छाशक्ति से देश की तकदीर और तस्वीर बदल दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल भारत को एक नयी दिशा दी, बल्कि इसे वैश्विक मंच पर एक सम्मानजनक और शक्तिशाली पहचान भी दिलाई। शर्मा ने केंद्र में मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 11 साल पूरे होने पर उनकी सरकार की उपलब्धियों को लेकर यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के 11 वर्षों की सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की अद्भुत यात्रा भारत के लिए प्रगति और गौरव के कल्याणकारी वर्ष हैं। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत न केवल एक उभरती हुई शक्ति बन रहा है, बल्कि देश दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर तेजी से अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने कहा, वर्ष 2014 से पहले भारत चुनौतियों से जूझ रहा था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने मजबूत संकल्प, अदम्य इच्छाशक्ति और जन-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ भारत की तकदीर और तस्वीर बदल दी। प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल भारत को एक नयी दिशा दी, बल्कि इसे वैश्विक मंच पर एक सम्मानजनक और शक्तिशाली पहचान भी दिलाई।

उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में भारत की आवाज विश्व मंच पर न केवल आदर से सुनी जाती है, बल्कि उसका सम्मान भी किया जाता है।

शर्मा ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का प्रधानमंत्री मोदी का नारा केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारत के हर नागरिक के लिए एक प्रेरणा है। उन्होंने कहा, 'विकसित भारत की यह यात्रा यहीं समाप्त नहीं होती। हमें उनके नेतृत्व में और अधिक मेहनत करनी होगी, ताकि भारत 2047 तक एक विकसित, समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र बने।' शर्मा ने कहा कि वर्ष 2014 में मोदी सरकार के आने से लेकर अब तक राजस्थान को दो लाख 11 हजार करोड़ रूपये केंद्र प्रवर्तित योजनाओं में प्राप्त हुए हैं।

ग्रोथ मॉनिटरिंग के लिए बहुत जरूरी है सही डेटा एंट्री : सोनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। महिला एवं बाल विकास शासन सचिव महेन्द्र सोनी के मुख्य आतिथ्य में एवं आईसीडीएस निदेशक ओपी बुनकर की उपस्थिति में मंगलवार को इंदिरा गाँधी पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास संस्थान में महिला एवं बाल विकास विभाग (निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं) की ओर से प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ई. सी. सी. ई.) आधारित दो दिवसीय जिला स्तरीय समूह (क्लस्टर) का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। शासन सचिव महेन्द्र सोनी ने प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में कहा कि विभाग के सुदृढ़ीकरण के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने का काम किया जाना चाहिए।

आईसीडीएस सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए बेसलाइन डेटा की सही होना अत्यंत आवश्यक है। इसके आधार पर ही बेहतर योजनाओं का निर्माण होता है तथा ग्राउंड पर वास्तविक रूप में समस्याओं का समाधान भी संभव हो पाता है। उन्होंने कहा कि जब तक डेटा एंट्री उचित रूप से वास्तविक आधार पर नहीं की गई हो तब तक ग्रोथ मॉनिटरिंग सही रूप में नहीं हो सकेगी। उन्होंने कहा कि सही डेटा एंट्री नितांत रूप से आवश्यक है।

विभाग में किसी भी योजना में 10 दिन से ज्यादा पुराना कोई भी प्रकरण लंबित न रहें, इस प्रतिबद्धता से कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि हमारे कर्मियों के मानदेय का भुगतान नियमित रूप से हो अधिकारी यह सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्मिक को सेवा के प्रति अपडेट करते हैं।

इस अवसर पर निदेशक ओ पी बुनकर ने कहा कि कोई भी प्रशिक्षण यदि दो तरफा होता है तो ही वह उपयोगी होता है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर के अधिकारियों को मॉनिटरिंग में सुधार करना चाहिए। पोषण ट्रेकर पोर्टल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चें आंगनबाडी आने को उत्सुक हो और पूरी संख्या में आंगनबाडी आये तब जाकर इस प्रकार के प्रशिक्षण अपने उद्देश्य की प्राप्ति में सफल होंगे। शासन सचिव महेन्द्र सोनी तथा निदेशक ओ पी बुनकर द्वारा इस अवसर पर आधारशिला पाठ्यक्रम पर आधारित नवीन ईसीसीई सामग्री , साप्ताहिक ईसीसीई कैलेंडर, सेक्टर हैन्डबुक एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हेतु इन्द्रधनुष पुस्तक की लॉन्चिंग की गई। प्रशिक्षण के प्रारम्भ में यूनिसेफ शिक्षा निदेशक एवं विशेषज्ञ श्रीमती अमृता सेनगुप्ता ने प्रशिक्षण की रूपरेखा और उद्देश्य से अवगत कराया।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 3 से 6 वर्ष के बच्चों को खेल के माध्यम से आंगनबाड़ी केन्द्रों पर प्रारंभिक देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई) जा रही है। जिससे कि उक्त आयु वर्ग के बच्चों को औपचारिक स्कूल शिक्षा के लिए तैयार किया जा सके। भारत सरकार द्वारा 3 से 6 साल के बच्चों के लिए नवीन पाठ्यक्रम आधारशिला पर निर्मित सामग्री के बेहतर क्रियान्वयन हेतु विभागीय अधिकारियों एवं महिला पर्यवेक्षकों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का क्षमतावर्धन प्रशिक्षण अनिवार्य है। इसके लिए राज्य स्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 27 व 28 मई को एसआरजी प्रशिक्षण (एसआरजी) का आयोजन करवाया जा चुका है। इसी क्रम में उक्त दो दिवसीय जिलास्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। उपनिदेशक (आईईसी) डॉ. धर्मवीर द्वारा विभिन्न सहयोगी संस्थाओं के समन्वय में उक्त प्रशिक्षण का संचालन किया जा रहा है।

वास्तविक और एनसीडी पोर्टल पर उपलब्ध डेटा का अंतर किया जाए दूर : मंजू राजपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने कहा कि अधिकारी तत्परता से कार्य करते हुए 'सहकार से समृद्धि' के अंतर्गत राज्य में क्रियान्वित की जा रही पहलों में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि क्रियान्विति में पिछड़ रहे जिलों पर विशेष रूप से फोकस करते हुए उनसे प्रगति की नियमित रिपोर्ट ली जाए। साथ ही, आवश्यक होने पर इन जिलों के लिए प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति भी की जाए। राजपाल मंगलवार को नेहरू सहकार भवन में 'सहकार से समृद्धि' के अंतर्गत क्रियान्वित की जा रही पहलों की प्रगति की समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने कहा कि अधिकारी निरन्तर सक्रियता दिखाते हुए अपेक्षित परिणाम हासिल करें। उन्होंने पैक्स कम्प्यूटराइजेशन के कार्य में गति लाने तथा गो-लाइव हो चुकी पैक्स को हैण्ड-होल्डिंग सर्टिफिकेट यथाशीघ्र जारी करने के निर्देश दिए। राजपाल ने कहा कि वास्तविक डेटा एवं एनसीडी पोर्टल पर उपलब्ध डेटा में अंतर को दूर करने के लिए नई गठित पैक्स का अविलम्ब रजिस्ट्रेशन करते हुए उन्हें फंक्शनल बनाया जाए। उन्होंने कहा कि गो-लाइव हो चुकी सभी पैक्स की ई-ऑडिट करवाई जाए। बैठक में अधिकारियों द्वारा बताया गया कि अब तक 5,154 पैक्स गो-लाइव हो चुकी है तथा 603 पैक्स की ऑनलाइन ऑडिट सम्पन्न हो चुकी है।

प्रमुख शासन सचिव ने नवीन डेयरी को-ऑपरेटिव सोसायटी के गठन की प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इस संबंध में संभाव्यता का आकलन कर आवश्यक होने पर लक्ष्यों में संशोधन करने हेतु भारत सरकार से अनुरोध किया जा सकता है। उन्होंने निष्क्रिय समितियों के अवसायन के कार्य में भी गति लाने के निर्देश दिए।

एनसीडी रोगियों की जांच, उपचार एवं डेटा इन्द्राज में गंभीरता बरतने के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक डॉ. टी. शुभमंगला ने कहा कि निचले स्तर तक विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन करते हुए निरामय राजस्थान के संकल्प को साकार करें। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में एनसीडी कार्यक्रम के तहत 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों की ब्लड प्रेशर एवं डायबिटीज जांच के निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से प्राप्त किया जाए।

अतिरिक्त मिशन निदेशक मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत प्रदेश में विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रम संचालित हैं। इन कार्यक्रमों को प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि प्रदेशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलें और विभिन्न स्वास्थ्य मानकों में प्रदेश की स्थिति और बेहतर हो। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने कहा कि गैर संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम में मरीज का समय पर निदान और उपचार प्रारम्भ होना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के स्तर पर इन कार्यक्रमों की मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को एनसीडी रोगियों की जांच, उपचार प्रारम्भ करने के साथ ही पोर्टल पर ऑनलाइन डेटा इन्द्राज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एनसीडी एवं टीबी मुक्त भारत अभियान में जन-जन को जोड़ने के लिए व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार गतिविधियां सम्पादित की जाए।

डॉ. शर्मा ने टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत आयोजित की जा रही गतिविधियों की भी समीक्षा की। उन्होंने टीबी जांच के लिए काम में ली जा रही नॉट मशीनों के समुचित उपयोग, ड्रग सेंसेटिव टीबी मरीजों के शत-प्रतिशत उपचार एवं निक्षय पोषण योजना के तहत लाभार्थियों को योजना का लाभ पहुंचाने के कार्य में गंभीरता बरतने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम पंचायत योजना, मा नेत्र वाउचर योजना, ओरल हैल्थ कार्यक्रम, मिशन लीवर स्माइल कार्यक्रमों की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। साथ ही, आगामी 21 जून को आयोजित किए जाने वाले योग दिवस की तैयारियों के संबंध में भी दिशा-निर्देश दिए गए।

बाढ़ नियंत्रण एवं राहत के समस्त इंतजाम समय रहते हों सुनिश्चित : मीना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीना ने कहा कि आगामी मॉनसून से पूर्व प्रदेश में सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहते हुए आपसी समन्वय स्थापित करते हुए बाढ़ नियंत्रण एवं बचाव कार्यों को सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि अतिवृष्टि होने पर भूमि कटाव और जलभराव से निपटने एवं रेस्क्यू ऑपरेशन्स के लिए आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता रखी जाए। डॉ. किरोड़ी लाल मीना मंगलवार को शासन सचिवालय में आगामी मॉनसून पूर्व तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने वज्रपात के खतरे से निपटने के लिए आवश्यक इंतजाम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से निरंतर समन्वय स्थापित करना सुनिश्चित करें। बैठक में आपदाओं से निपटने के लिए की जा रही तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। उन्होंने थल सेना, वायु सेना, पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ,गृह सुरक्षा, सिविल डिफेंस, जल संसाधन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, बिजली, पशुपालन, रसद विभाग, स्वायत्त शासन, पंचायती राज सहित अन्य कई विभागों के अधिकारियों को भी मॉनसून के दौरान विभागीय स्तर पर अपेक्षित समस्त इंतजाम दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने फ्लड प्लान 2025 की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में बताया की एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, नागरिक सुरक्षा एवं भारतीय सेना के साथ 14 जून को कोटा में मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी।

बैठक में बताया गया कि राज्य में प्राकृतिक आपदाओं के मध्यनजर आगामी 15 जून से राज्य स्तरीय हेल्पडेस्क नम्बर 1070, 112 तथा जिला स्तरीय हेल्पडेस्क के लिए 1077 नम्बर जारी किए गए हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन नियंत्रण कक्ष शासन सचिवालय में तथा जिला स्तरीय कक्ष प्रत्येक जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय में स्थापित किए गए हैं। यह हेल्पडेस्क प्रतिदिन 24 घंटे कार्य करेगी।

तृणमूल कांग्रेस घुसपैठियों को बंगाल में बसने में मदद कर रही है : भूपेंद्र यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर सीमा पार से घुसपैठियों को राज्य में बसने में मदद करने का आरोप लगाया।

यादव ने यह भी आरोप लगाया कि 2011 में ममता बनर्जी के मुख्यमंत्री बनने के बाद से राज्य में महिलाओं पर हमले की घटनाएं बढ़ गई हैं। उन्होंने यह बात नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कही।

केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया, ''राज्य सरकार विदेशी नागरिकों के निर्वासन में सहयोग नहीं कर रही है। उल्टा, तृणमूल कांग्रेस घुसपैठियों को इस देश का निवासी बनाने में मदद कर रही है। राज्य सरकार की तुष्टीकरण की नीति के कारण अपराध की घटनाएं चिंताजनक स्तर तक पहुंच गई हैं।''

उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था राज्य का विषय है, लेकिन बंग्लादेशी घुसपैठियों को रोकने के लिए राज्य अपना काम नहीं कर रहा। संबंधित कानूनों को लागू करने की आवश्यकता है, लेकिन राजनीतिक कारणों से ऐसा नहीं किया जा रहा है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित किया जा सकता है, तो यादव ने कहा, निर्वाचन आयोग किसी भी पार्टी द्वारा धांधली के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए हरसंभव प्रयास करेगा।

'ऑपरेशन सिंदूर' नाम को लेकर तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के एक वर्ग द्वारा की गई कथित प्रतिकूल टिप्पणियों के बारे में उन्होंने कहा कि देश की पश्चिमी सीमा के उस पार स्थित आतंकी ठिकानों पर किए गए सटीक हमले हमारे सशस्त्र बलों की वीरता का परिणाम हैं। उन्होंने कहा, ''पूरी दुनिया ने भारतीय सेना की शक्ति देखी है। तृणमूल कांग्रेस समेत सभी राजनीतिक दलों के नेता पाकिस्तान से फैल रहे आतंकवाद के खिलाफ सरकार के वैश्विक अभियान के तहत विभिन्न देशों में भेजे गए प्रतिनिधिमंडलों में शामिल थे।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''अब अगर वह (ममता बनर्जी) कहती हैं कि उन्हें 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम पसंद नहीं है, तो यह बेहद अफसोस की बात है। ऐसी चीजों को राजनीति से ऊपर उठकर देखा जाना चाहिए।''

असम में बाढ़ की स्थिति में सुधार

गुवाहाटी/भाषा। असम में बाढ़ की स्थिति में मंगलवार को काफी सुधार हुआ और ब्रह्मपुत्र एवं उसकी सहायक नदियों सहित सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के किसी भी हिस्से से बारिश की कोई खबर नहीं है। राज्य के नौ जिलों में बाढ़ से फिलहाल करीब 1.60 लाख लोग प्रभावित हैं। बाढ़ और भूस्खलन की पहली लहर में मरने वालों की संख्या 27 हो गई है। सोमवार को श्रीभूमि जिले में एक व्यक्ति पानी में डूब गया। उन्होंने बताया कि कुल 25 राजस्व क्षेत्रों (हलकों) के 389 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। श्रीभूमि सबसे अधिक प्रभावित जिला है, जहां 1.20 लाख से अधिक लोग अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं। प्रभावित जिलों के अधिकारियों ने राहत शिविर खोले हैं और 6,000 से अधिक लोग अब भी इस उद्देश्य के लिए स्थापित 91 शिविरों में शरण लिए हुए हैं, जबकि 40,000 से अधिक वितरण केंद्र राहत सामग्री प्रदान कर रहे हैं।

मानहानि मामला में तृणमूल सांसद

साकेत गोखले ने पूर्व राजनयिक लक्ष्मी पुरी से माफी मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस सांसद साकेत गोखले ने मंगलवार को पूर्व राजनयिक लक्ष्मी मुर्देश्वर पुरी से जिनेवा स्थित उनके अपार्टमेंट के संदर्भ में की गयी अपनी टिप्पणी के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। गोखले ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मैं 13 और 23 जून 2021 को राजदूत लक्ष्मी मुर्देश्वर पुरी के खिलाफ किये गए कई ट्वीट के लिए बिना शर्त माफी मांगता हूं, जिनमें राजदूत पुरी द्वारा विदेश में संपत्ति खरीदने के संबंध में गलत और अपुष्ट आरोप थे, जिसके लिए मुझे ईमानदारी से खेद है।'' यह माफी मानहानि मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद मांगी गई है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता अमित मालवीय ने तृणमूल सांसद पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्होंने सुबह-सुबह एक पोस्ट लिखी, ''इस उम्मीद में कि बहुत से लोग उन्हें अपने शब्द वापस लेते हुए नहीं देखेंगे।''

मालवीय ने कहा, ''तृणमूल सांसद साकेत गोखले ने पूर्व राजदूत लक्ष्मी पुरी से एक अखबार में और फिर 3:28 बजे 'एक्स' पर माफी मांगी, उन्हें उम्मीद थी कि बहुत से लोग उन्हें अपने शब्द वापस लेते नहीं देखेंगे। लेकिन इससे मामला और बिगड़ गया। उन पर कपटी होने का आरोप लगाया जा रहा है।''

भाजपा नेता ने कहा, ''मुझे यह भी बताया गया है कि उन्होंने अभी तक 50 लाख रुपए का हर्जाना नहीं दिया है। अदालत ने इस बीच उनके वेतन को जब्त करने का आदेश दिया है। मामले को आक्रामक तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है। ऐसा लगता है कि तृणमूल में उनके आकाओं ने उन्हें छोड़ दिया है।'' गोखले ने पलटवार करते हुए कहा, ''भाजपा आईटी सेल को एक दिन के लिए कुछ काम देने की खुशी है। साथ ही सावरकर को श्रद्धांजलि दी।''

पुरी ने 2021 में जिनेवा में उनके एक अपार्टमेंट के संदर्भ में उनकी वित्तीय मामलों पर की गई टिप्पणी को लेकर गोखले पर मुकदमा दायर किया था। एक जुलाई, 2024 को उच्च न्यायालय ने गोखले को सोशल मीडिया या इलेक्ट्रॉनिक मंच पर पुरी के खिलाफ कोई और सामग्री प्रकाशित करने से रोक दिया था।

न्याय प्रणाली में तकनीक का संतुलित उपयोग जरूरी : सीजेआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी. आर. गवई ने प्रौद्योगिकी की दोधारी तलवार (सकारात्मक एवं नकारात्मक) प्रकृति को रेखांकित करते हुए कहा कि इस तरह के नवाचारों से न्यायिक कार्यों में वृद्धि होनी चाहिए, न कि इसे निर्णय लेने की प्रक्रिया का स्थान लेना चाहिए।

प्रधान न्यायाधीश ने नौ जून को कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में न्याय तक पहुंच में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी की भूमिका विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भारत जैसे विशाल, विविध और जटिल देश में न्याय तक पहुंच बढ़ाने में प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी शक्ति पर जोर दिया।

न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि भारत में न्यायपालिका ने न्याय को अधिक सुलभ बनाने के लिए प्रौद्योगिकी को तत्परता से एकीकृत किया है। उन्होंने कहा, ''हमें यह भी स्वीकार करना चाहिए कि प्रौद्योगिकी एक दोधारी तलवार की तरह काम कर सकती है, जिससे अभूतपूर्व विभाजन भी हो सकता है। एक प्राथमिक चिंता डिजिटल विभाजन है, जहां इंटरनेट कनेक्टिविटी, उपकरणों और डिजिटल साक्षरता तक असमान पहुंच के कारण हाशिये पर पड़े समुदाय वंचित हो सकते हैं, जो पहले से ही न्याय के लिए बाधाओं का सामना कर रहे हैं। प्रौद्योगिकी से निष्पक्ष परिणाम सुनिश्चित हो, इसके लिए पहुंच और समावेशन को इसके डिजाइन का आधार होना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''शासन के ऐसे ढांचे विकसित किए जाने चाहिए जो मानवीय निगरानी, एल्गोरिदम पारदर्शिता और प्रौद्योगिकी-मध्यस्थ निर्णयों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करें।''

सीजेआई ने कहा, ''आगे बढ़ने के लिए मूलभूत सिद्धांतों का पालन करना जरूरी है। तकनीक को न्यायिक कार्यों, विशेष रूप से तर्कसंगत निर्णय लेने और व्यक्तिगत मामले के मूल्यांकन का स्थान लेने के बजाय इसमें वृद्धि करनी चाहिए। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि स्वचालित प्रणालियां न्यायिक निर्णय को बदलने के बजाय उसका समर्थन करें।'' उन्होंने डिजिटल नवाचार पर आधारित एक अधिक समावेशी और उत्तरदायी कानूनी प्रणाली के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, ''न्याय तक पहुंच किसी भी निष्पक्ष और न्यायसंगत कानूनी प्रणाली की रीढ़ है। यह सुनिश्चित करता है कि सभी व्यक्ति, चाहे उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति, भौगोलिक स्थिति या व्यक्तिगत परिस्थितियां कुछ भी हों, कानूनी प्रक्रियाओं में प्रभावी रूप से भाग ले सकें और उनसे लाभ उठा सकें।''

ओबीसी का दर्जा तय करने के लिए

पिछड़ापन ही एकमात्र मानदंड है, धर्म नहीं : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को राज्य विधानसभा को बताया कि लोगों का अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का दर्जा तय करने का एकमात्र मानदंड पिछड़ापन है।

बनर्जी ने कहा कि कुछ लोगों द्वारा सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति को ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) श्रेणी में शामिल करने के निर्णय में धर्म का कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य में ओबीसी का दर्जा तय करने के लिए एकमात्र मानदंड पिछड़ापन है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा गठित एक आयोग इस श्रेणी में शामिल करने के लिए 50 नये उपवर्गों पर एक सर्वेक्षण कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ओबीसी-ए श्रेणियों के तहत 49 उपवर्गों और ओबीसी-बी श्रेणियों के तहत 91 उपवर्गों को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि अधिक पिछड़े वर्ग के लोगों को ओबीसी-ए के तहत शामिल किया गया है, जबकि कम पिछड़े लोग ओबीसी-बी के तहत आते हैं।

मुख्यमंत्री ने वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग आयोग की वार्षिक रिपोर्ट सदन के पटल पर रखने के बाद सदन को संबोधित किया।

बनर्जी ने कहा कि सभी समावेशन व्यापक क्षेत्र सर्वेक्षण और आयोग की सिफारिशों के आधार पर किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कलकत्ता उच्च न्यायालय के 22 मई, 2024 के आदेश ने पश्चिम बंगाल में 2010 से प्रदान किए गए कई श्रेणियों के ओबीसी दर्जे को रद्द कर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने उक्त आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में अपील की है।

अरुणाचल में सियांग अपर बहुउद्देशीय परियोजना रणनीतिक जरूरत : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश में प्रस्तावित 11,000 मेगावाट की सियांग अपर बहुउद्देशीय परियोजना (एसयूएमपी) का समर्थन करते हुए इसे भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए रणनीतिक आवश्यकता और राज्य के विकास की खातिर एक परिवर्तनकारी अवसर करार दिया।

रीजीजू ने चीन की सीमा से लगे अरुणाचल में एसयूएमपी का विरोध कर रहे लोगों से इस बारे में खुले दिमाग से सोचने का आग्रह किया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र के लोगों की संस्कृति, जमीन और आजीविका की रक्षा की जाएगी।

एसयूएमपी अरुणाचल प्रदेश में सियांग नदी पर प्रस्तावित एक विशाल बांध परियोजना है, जिसका मकसद न केवल बिजली उत्पादन, बल्कि चीन की ओर से छोड़े गए पानी से उत्पन्न बाढ़ के खतरे से निपटना और नदी के प्राकृतिक प्रवाह को बनाए रखना है।

केंद्र में नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने के मौके पर ईटानगर में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए रीजीजू ने लोगों को यारलुंग त्सांगपो (ब्रह्मपुत्र) नदी के ऊपरी हिस्से में चीन की बढ़ती जलविद्युत गतिविधियों के प्रति आगाह किया, जिनमें दो बड़ी बांध परियोजनाएं (एक ग्रेट बेंड के पास और दूसरी मेडोग में) शामिल हैं।

केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री रीजीजू ने कहा, चीन के पास नदियों की दिशा मोड़ने की क्षमता है। यहां तक कि वह पानी का रुख मोड़ने के लिए 1,000 किलोमीटर लंबी सुरंगें भी बना सकता है। हम इस स्तर के जोखिम का सामना कर रहे हैं।

रीजीजू ने एसयूएमपी को एक रणनीतिक जवाबी उपाय बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत भारत एक बार जब अपनी परियोजना शुरू कर देता है, तो चीन नदी के प्रवाह को रोक या मोड़ नहीं सकेगा। उन्होंने कहा, यह परियोजना राष्ट्रीय हित का मामला है। यह न केवल बिजली उत्पादन के लिए, बल्कि अरुणाचल प्रदेश, असम और यहां तक कि बांग्लादेश में बाढ़ नियंत्रण के लिए भी अहम है।

रीजीजू ने कहा, हम वर्षों से यहां पनबिजली परियोजनाओं में निवेश लाने के लिए संघर्ष कर रहे थे। हमें विनती करनी पड़ी, लेकिन कोई आगे नहीं आया। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी ने इसे बदल दिया।

प्रधानमंत्री को खरगे का पत्र,

लोकसभा उपाध्यक्ष के चुनाव कराने का आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया कि बिना किसी विलंब के लोकसभा उपाध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू की जाए।

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे ने इस बात पर चिंता जताई कि पिछली लोकसभा में कोई उपाध्यक्ष नहीं था और वर्तमान लोकसभा में भी कोई उपाध्यक्ष नहीं है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक राजनीति के लिए अच्छा संकेत नहीं है और यह संविधान के निर्धारित प्रावधानों का उल्लंघन भी है। आखिरी बार 16वीं लोकसभा में अन्नाद्रमुक के नेता एम. थंबीदुरई को उपाध्यक्ष चुना गया था।

प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में खरगे ने कहा, मैं लोकसभा में उपाध्यक्ष की रिक्ति से जुड़े अत्यधिक चिंताजनक मामले को आपके ध्यान में लाने के लिए लिख रहा हूं। भारत के संविधान का अनुच्छेद 93 लोकसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों के चुनाव को अनिवार्य बनाता है। संवैधानिक रूप से, उपाध्यक्ष अध्यक्ष के बाद सदन का दूसरा सबसे बड़ा पीठासीन अधिकारी होता है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 93 में कहा गया है कि सदन जितनी जल्दी हो सके किसी एक को उपाध्यक्ष चुनेगा।

'सांप्रदायिक टिप्पणी करने वाले' न्यायाधीश के खिलाफ नोटिस पर धनखड़ ने कदम क्यों नहीं उठाया : सिब्बल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पिछले साल ''पूरी तरह से सांप्रदायिक'' टिप्पणी करने के बावजूद केंद्र सरकार इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश शेखर कुमार यादव को बचाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने सवाल किया कि राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने न्यायाधीश यादव के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए दिए गए नोटिस पर कोई कदम क्यों नहीं उठाया?

वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल ने कहा कि पूरे मामले में ''पक्षपात'' की बू आती है क्योंकि एक तरफ राज्यसभा के महासचिव ने भारत के प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखकर कहा कि यादव के खिलाफ आंतरिक जांच को आगे न बढ़ाएं क्योंकि उच्च सदन में उनके खिलाफ एक याचिका लंबित है, जबकि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के मामले में उन्होंने ऐसा नहीं किया।

सिब्बल ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और जब संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति, जो पदानुक्रम में दूसरे नंबर पर है, छह महीने में संवैधानिक दायित्वों को पूरा नहीं करता है तो सवाल उठना लाजमी है। उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''13 दिसंबर, 2024 को हमने राज्यसभा के सभापति को महाभियोग प्रस्ताव का नोटिस दिया था। इस पर 55 सांसदों के हस्ताक्षर थे। छह महीने बीत गए, लेकिन कोई कदम नहीं उठाया गया।''

सिब्बल ने कहा, ''मैं उन लोगों से पूछना चाहता हूं जो संवैधानिक पदों पर बैठे हैं, उनकी जिम्मेदारी केवल यह सत्यापित करना है कि हस्ताक्षर हैं या नहीं? क्या इसमें छह महीने लगने चाहिए?'' उन्होंने कहा कि एक और सवाल उठता है कि क्या यह सरकार ''पूरी तरह से सांप्रदायिक'' टिप्पणी करने वाले शेखर यादव को बचाने की कोशिश कर रही है।

बेंगलूरु भगदड़ पर बोले द्रविड़

यह दुर्भाग्यपूर्ण और बहुत दुखद है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के आईपीएल खिताब जीतने के जश्न में बेंगलूरु में 11 लोगों की मौत पर दुख जताते हुए इस हादसे को दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद बताया।

यह हादसा बुधवार को हुआ जब बेंगलूरु में चिन्नास्वामी स्टेडियम के आसपास अपने पसंदीदा क्रिकेटरों की एक झलक पाने के लिये ढाई लाख लोग जमा हुए थे। इससे मची भगदड़ में 11 लोग मारे गए और 56 घायल हो गए।

भारत के पूर्व कोच और कप्तान द्रविड़ ने एनडीटीवी से कहा, '' यह काफी निराशाजनक है। बहुत दुखद। मेरी संवेदनायें उन लोगों के साथ है।''

आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के कोच द्रविड़ ने कहा कि शहर की खेल संस्कृति को देखते हुए यह घटना और भी दर्दनाक है। उन्होंने कहा ,'' यह खेलों का शौकीन शहर है। मैं इसी शहर से हूं। लोग क्रिकेट की नहीं , हर खेल को पसंद करते हैं और टीमों को फॉलो करते हैं । फुटबॉल टीम को या कबड्डी टीम।''

द्रविड़ ने कहा ,'' आरसीबी के प्रशंसक बहुत बड़ी संख्या में हैं। यह काफी दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है । घटना में मारे गए लोगों के परिवारों और घायलों के प्रति हमारी संवेदना है।''

काशी विश्वनाथ मंदिर में

श्रद्धालुओं से जबरन वसूली करने वाले 21 फर्जी पुजारी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में पुलिस ने काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं से दर्शन-पूजन कराने के नाम पर मनमाने ढंग से पैसे वसूलने वाले 21 फर्जी पडों-पुजारियों को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है।

दशाश्वमेध घाट के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन पूजन कराने के नाम पर श्रद्धालुओं से अवैध वसूली और दुर्व्यवहार किये जाने की शिकायत काफी दिन से मिल रही थी। उन्होंने बताया कि शिकायत के आधार पर दशाश्वमेध घाट और चौक थाने की संयुक्त पुलिस टीम का गठन किया गया था। पुलिस की टीम ने मंगलवार को दशाश्वमेध घाट से 15 और चौक से छह फर्जी पुजारियों को गिरफ्तार कर लिया।

त्रिपाठी ने बताया कि गठित की गयी टीम लगातार कार्रवाई करते हुए इस तरह के लोगों को गिरफ्तार करती रहेगी। एसीपी ने कहा कि पुलिस मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई कर रही है।

गोमांस को हिंदुओं के खिलाफ हथियार बनाया जा रहा : मुख्यमंत्री हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। पिछले सप्ताह ईद के जश्न के बाद सार्वजनिक स्थानों पर मांस के टुकड़े फेंके जाने के मामलों का हवाला देते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि राज्य में हिंदुओं के खिलाफ गोमांस को हथियार बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि असम के लोगों को अवैध विदेशियों को वापस भेजने के लिए 'गैर समझौतावादी' रुख अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि असम उन ताकतों के खिलाफ संघर्ष कर रहा है, जिनके 'हमदर्द' दुनिया भर में हैं। यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्य कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा, ''पहले अगर हिंदुओं के पड़ोस में कुछ मुस्लिम परिवार रहते थे, तो वे हिंदुओं के लिए कोई समस्या पैदा न करने के लिए सावधान रहते थे। अगर उन्हें गोमांस खाना होता था, तो वे मुस्लिम बहुल इलाकों में रहने वाले अपने लोगों के पास जाते थे।''

उन्होंने कहा, ''लेकिन अब ऐसा हो गया है कि वे बचे हुए भोजन और कचरे को इधर-उधर फेंक देते हैं, ताकि पड़ोस के हिंदुओं को अंततः वह जगह छोड़नी पड़े।'' उन्होंने पिछले सप्ताह ईद के बाद विभिन्न स्थानों पर कथित तौर पर गोमांस छोड़े जाने की घटनाओं का हवाला दिया, जिसमें यहां कॉटन विश्वविद्यालय के सामने की घटना भी शामिल है।

शर्मा ने कहा, ''कोई इसे ईद पर खा सकता है, लेकिन इसका इस्तेमाल दूसरे लोगों के खिलाफ हथियार के तौर पर नहीं किया जा सकता।'' उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि इस कृत्य के खिलाफ कोई विरोध प्रदर्शन नहीं किया गया और कहा कि ऐसी घटनाओं के विरोध में उठने वाली आवाज की संख्या कम हो रही है। उन्होंने कहा, ''अच्छे मुसलमान ऐसे कृत्यों का विरोध करते हैं। वे फेसबुक पर गोमांस हाथ में लेकर खिंचाई गई फोटो पोस्ट नहीं करते हैं।'' उन्होंने कहा कि इन घटनाओं के बाद उनके पास मुस्लिम व्यक्तियों की ओर से केवल तीन फोन कॉल आए, जिसमें उन्होंने कहा कि वे इसे स्वीकार नहीं करते हैं।

मुख्यमंत्री ने आशंका जताई कि अगर चीजें अभी की तरह चलती रहीं, तो 20 साल में कामाख्या मंदिर के सामने गोमांस फेंका जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि असम के लोगों को खुद की रक्षा के लिए कोई समझौता न करने वाला रुख अपनाना होगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार उनकी पूरी मदद करने को तैयार है। उन्होंने कहा, मोदी जी कर रहे हैं कि वापस भेजो (अवैध विदेशियों को), लेकिन असम के लोग सवाल कर रहे हैं कि वापस क्यों भेजा जा रहा है। वापस भेजे जाने के खिलाफ सर्वाधिक आलोचना असम के लोग कर रहे हैं... मोदी जी अकेले हमारी रक्षा नहीं कर सकते।'' उन्होंने दावा किया कि मोदी ने गुजरात से सभी विदेशियों को भगा दिया और उनमें से एक भी अदालत नहीं गया, जबकि असम में अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई के खिलाफ असम निवासी याचिकाकर्ताओं और वकीलों द्वारा रोजाना मामले दर्ज किए जाते हैं।

शर्मा ने कहा कि कांग्रेस और उसके विधायक दल के नेता देबब्रत सैकिया ने सोमवार को विधानसभा में विदेशियों को वापस भेजे जाने का विरोध किया था, लेकिन किसी संगठन ने उनके रुख का विरोध नहीं किया और न ही मीडिया ने इसके लिए पार्टी की आलोचना की।

मेरी सादगी को मेरी कमजोरी न समझा जाए : मुख्यमंत्री माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सादगी को ''उनकी कमजोरी कतई नहीं''माना जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि ओडिशा की भाजपा सरकार ने 2024 के चुनावों से पहले पार्टी द्वारा लोगों से किए गए 21 वादों में से 11 को पूरा कर दिया है।

माझी ने 12 जून को अपनी सरकार के एक साल पूरे होने के अवसर पर संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''मैं एक आदिवासी परिवार से आता हूं और मेरे अंदर सादगी है। हालांकि, किसी को भी इसे (सादगी को) मेरी कमजोरी नहीं समझना चाहिए।''

मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी पिछली बीजू जनता दल (बीजद) सरकार के दौरान कथित भ्रष्टाचार के बड़े मामलों पर उनकी सरकार की कथित चुप्पी पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए की। ये मामले ज्यादातर चिटफंड और खनन घोटालों से संबंधित थे। माझी ने कहा, ''हमने भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। सोमवार को एक आईएएस अधिकारी की गिरफ्तारी हमारी बात को साबित करती है। एक मुख्य अभियंता को भी भ्रष्टाचार के आरोप में उनकी सेवानिवृत्ति वाले दिन गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।''

सुविचार

राधा ने कृष्ण को पाने के लिए इंतजार नहीं किया, उन्होंने कृष्ण के इंतजार में खुद को पा लिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भ्रष्टाचार : कैसे लगेगी लगाम?

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने जब से 500 रुपए के नोटों को बंद करने की पैरवी की है, देशभर में एक बार फिर 'नोटबंदी' की चर्चा होने लगी है। हालांकि इसके समर्थन में केंद्र सरकार की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है और 500 रुपए के नोट निर्बाध रूप से चलन में हैं, कहीं कोई समस्या नहीं है। एक मुख्यमंत्री, जिनकी पार्टी केंद्र में सत्तारूढ़ राजग का हिस्सा है, का ऐसा बयान बहुत मायने रखता है, खासकर जब भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की बात हो। देश के पास 8 नवंबर, 2016 को की गई नोटबंदी का अनुभव है। उससे आम आदमी और कारोबारियों को कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ा, लेकिन मन में एक उम्मीद थी कि भ्रष्टाचार का खात्मा होगा। उस कदम से भ्रष्टाचार तो खत्म नहीं हुआ, अलबत्ता डिजिटल पेमेंट बहुत बढ़ गया। अब भारत हर साल इसमें अपना ही रिकॉर्ड तोड़ रहा है। केंद्र सरकार इन तथ्यों से भलीभांति अवगत है, इसलिए जब 19 मई, 2023 को 2,000 रुपए के नोट वापस लिए गए तो देश में कहीं हंगामा नहीं हुआ, लोगों को कोई दिक्कत नहीं हुई। वह नोट नवंबर 2016 में की गई नोटबंदी के बाद मुद्रा की कमी को दूर करने के लिए लाया गया था, जिसे धीरे-धीरे 'हटाया' गया। आम आदमी का काम तब भी सौ-सौ के नोटों से बहुत आसानी से चल जाता था, आज भी चल जाता है। अब डिजिटल पेमेंट ने बड़े नोटों की जरूरत काफी हद तक कम कर दी है। फिर भी, यह हकीकत है कि बाजार में बड़ी खरीदारी के लिए 500 रुपए के नोट पहली पसंद बने हुए हैं। लोग अपनी जरूरतों के लिए घरों में ये नोट रखते हैं।

भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए सरकार को कई मोर्चों पर कार्रवाई करनी होगी। हम देख चुके हैं कि नोटों की अदला-बदली के बाद भी कई भ्रष्टाचारियों के घरों से 'नकदी के पहाड़' निकले हैं। इन दिनों एक जज साहब नोटकांड की वजह से चर्चा में हैं। एक युवा आईएएस अधिकारी, जो बदलाव लाने की बातें करते थे, वे खुद रिश्वत लेते पकड़े गए। यह तर्क दिया जाता है कि 'बड़े नोटों को बंद कर देंगे तो छोटे नोटों में रिश्वत लेना बंद हो जाएगा या बहुत मुश्किल हो जाएगा।' हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि उस स्थिति में भ्रष्टाचारियों के पास अन्य विकल्प भी होंगे। वे छोटी रिश्वतें छोटे नोटों में और बड़ी रिश्वतें कीमती धातुओं / चीजों में ले सकते हैं। क्रिप्टोकरेंसी को भी नज़र-अंदाज़ नहीं किया जा सकता। भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए सरकार को मुख्यत: दो काम करने चाहिएं- पहला, सरकारी सेवाएं/अनुमति लेने की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होनी चाहिए। लोगों को किसी सरकारी दफ्तर के चक्कर न लगाने पड़ें। सभी काम निर्धारित अवधि में पूरे हों। दूसरा, भ्रष्टाचारियों को इतना कठोर दंड मिले कि उन्हें एक उदाहरण के रूप में याद रखा जाए और अन्य लोग रिश्वतखोरी से तौबा कर लें। आज सरकारी दफ्तरों में भ्रष्टाचार की एक बड़ी वजह यह है कि संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों में दंड का भय नहीं है। कई जगह तो लोग अपनी नौकरी के आखिरी दिन रिश्वत लेते पकड़े गए हैं। क्या उन्होंने पहले रिश्वत नहीं ली होगी? भ्रष्टाचारियों को हतोत्साहित करने के लिए विदेशों में कई प्रयोग हुए हैं। करीब डेढ़ दशक पहले चीन में किया गया एक प्रयोग बहुत चर्चा में रहा था, जिसके तहत जिन युवाओं की नई-नई सरकारी नौकरी लगी थी, उन्हें सेवा के पहले दिन जेल ले जाकर उन कैदियों से मुलाकात कराई गई, जो खुद कभी सरकारी नौकरी में थे और रिश्वत लेते पकड़े गए थे। उन्होंने युवा कर्मचारियों को बताया कि 'भ्रष्टाचार के कारण हमारी ज़िंदगी बर्बाद हो गई, आप ऐसा कभी न करना।' उनके वीडियो टीवी पर प्रसारित किए गए। कुछ देशों में भ्रष्टाचार के दोषी कर्मचारियों के पोस्टर लगाने के प्रयोग भी हुए, जो काफी विवादों में रहे हैं। भारत सरकार को ऐसे नियम लागू करने चाहिएं कि लोग खुद ही ईमानदारी को अपनाने के लिए आगे आएं। डिजिटल पेमेंट को अधिक सुरक्षित बनाते हुए इसे और प्रोत्साहन देना चाहिए। इससे भविष्य में बड़े नोटों पर निर्भरता कम हो जाएगी।

ट्वीटर टॉक

टोंक जिले में स्थित बनास नदी में युवकों की डूबने से हुई मृत्यु का समाचार अत्यंत दुःखद और पीड़ादायक है। घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन के अधिकारियों को त्वरित रूप से रेस्क्यू एवं राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं।

-भजनलाल शर्मा

आज पटना प्रवास के दौरान एयरपोर्ट पहुंचने पर पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व सांसद श्री संजय जायसवाल जी सहित पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा आत्मीय स्वागत उत्साहवर्धक है। आपका यह जोश और विश्वास सदैव नव ऊर्जा का संचार करता है।

-अर्जुनराम मेघवाल

टोंक में बनास नदी में डूबने से 8 युवकों की मृत्यु होना अत्यंत ही दुखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। मेरी गहरी संवेदनाएं शोकाकुल माता- पिता एवं परिजनों के साथ हैं। प्रशासन एवं सरकार यह सुनिश्चित करें कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

बुराई-प्रशंसा से मुक्ति

एक अरब देश में एक उच्च कोटि के फकीर रहते थे। लोगों की धारणा थी कि वे बहरे हैं, इसलिए उन्हें 'बहरा हातिम' कहा जाता था। एक दिन कुछ लोग उनके दर्शन को आए। वे फकीर के पास बैठे थे कि अचानक एक मधुमक्खी मकड़ी के जाल में फंस गई और छुटकारा पाने के लिए छटपटाने लगी। तभी हातिम ने कहा, 'ऐ लालची मधुमक्खी! अब क्यों तड़फ रही हो? तुम शक्कर, शहद, पराग या कंद के लोभ में मकड़ी के जाल में फंस गई हो। अब फंसी हो तो लोभ का परिणाम भुगतना होगा।' यह सुनकर सामने बैठे लोग हैरान रह गए कि बहरे हातिम कैसे बोलने लगे और मधुमक्खी की भिनभिनाहट कैसे सुन ली। एक व्यक्ति ने पूछा तो संत हातिम ने कहा, 'मैं अपने कान में किसी की बुराई और अपनी बड़ाई के शब्द नहीं आने देता। लोग मुझे बहरा समझकर बेकार की बातें नहीं करते। मैं बुरे शब्द सुनने से बच जाता हूं। यदि कोई बहरा समझकर मेरे दोषों का वर्णन करता है, तो मैं उन्हें चुपचाप दूर करने का प्रयास करता हूं। इस तरह बहरा होने का दिखावा करते हुए मुझे कई लाभ मिल जाते हैं।

सामयिक

मोदी सरकार के 11 साल की उपलब्धियां और चुनौतियां

संजय सक्सेना

मोबाइल : 8299050585

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की सरकार ने 11 वर्ष पूरे कर लिए हैं। यह समयावधि न केवल राजनीतिक रूप से बल्कि आर्थिक, सामाजिक और आधारभूत ढांचे के दृष्टिकोण से भी बेहद अहम रही है। सवाल यही है कि इन 11 वर्षों में देश ने क्या खोया, क्या पाया? सबसे पहले आर्थिक विकास की बात करें तो भारत की अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय प्रगति की है। आज भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 4.2 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को छू चुका है, जो देश को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर करता है। उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को भी पीछे छोड़कर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। 2014 से औसत वार्षिक वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रही है, जो हालिया तिमाही में 7.4 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और निरंतरता को दर्शाता है। मुद्रास्फीति पर नियंत्रण भी उल्लेखनीय रहा है। जहां 2013-14 में यह 9.4 प्रतिशत के स्तर पर थी, वहीं अब घटकर 4.6 प्रतिशत हो गई है। इससे आम नागरिकों और व्यापारियों को स्थिरता मिली है और भविष्य की योजना बनाना सरल हुआ है। बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में भी काफी काम हुआ है। राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 2014 में जहां 91,287 किलोमीटर थी, वहीं अब यह 1,46,204 किलोमीटर हो गई है। निर्माण की गति भी तीन गुना से ज्यादा बढ़ गई है।12 किलोमीटर प्रतिदिन से बढ़कर 34 किलोमीटर प्रतिदिन तक पहुंच गई है। चार लाख किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कों के निर्माण के जरिए 99 प्रतिशत ग्रामीण भारत को राष्ट्रीय सड़क नेटवर्क से जोड़ा गया है, जिससे गांवों में आर्थिक गतिविधियों को बल मिला है। रेलवे सेक्टर में भी परिवर्तन देखने को मिला है। पिछले दशक में 25,871 किलोमीटर नई पटरियाँ बिछाई गईं, जो इससे पूर्व के दशक की तुलना में लगभग दोगुनी हैं। भारत अब लोकोमोटिव निर्माण में अग्रणी बन चुका है, और 2024-25 में 1,681 इंजन निर्माण की योजना है। यह संख्या अमेरिका, जापान और यूरोप के कुल उत्पादन से अधिक है। रेलवे अब प्रतिदिन 30 मिलियन से ज्यादा यात्रियों को सेवा दे रहा है और सालाना 1,617 मिलियन टन माल ढुलाई कर रहा है, जिससे भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मालवहन रेलवे नेटवर्क बन गया है।

पूर्वोत्तर राज्यों को रेलवे नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में भी अहम प्रगति हुई है, जिससे क्षेत्रीय एकीकरण को बल मिला है। माल-ढुलाई के लिए समर्पित डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की

स्थापना से माल यातायात तेज हुआ है और यात्री ट्रेनों की भीड़ में भी कमी आने लगी है।हवाई यातायात में भी पिछले 11 वर्षों में बड़ा बदलाव आया है। 2014 में देश में केवल 74 परिचालन हवाई अड्डे थे, जो अब बढ़कर 160 हो चुके हैं। उड़ान' योजना के तहत छोटे और दूरदराज शहरों को हवाई नक्शे पर लाया गया है। सरकार का लक्ष्य 2047 तक 300 हवाई अड्डों का नेटवर्क तैयार करना है, जिससे कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स को गति मिलेगी।

शहरी क्षेत्रों में 'स्मार्ट सिटी मिशन' के तहत 8,000 से ज्यादा परियोजनाओं पर काम हो रहा है, जिसमें 1.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हुआ है। शहरी परिवहन में दिल्ली मेट्रो की भूमिका उल्लेखनीय रही है, जिसका विस्तार अब 15 शहरों तक हो चुका है। इससे सार्वजनिक परिवहन की गुणवत्ता और पहुंच दोनों में सुधार हुआ है। ऊर्जा क्षेत्र में भी भारत ने लंबी छलांग लगाई है। 2014 में भारत की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता केवल 2.82 गीगावाट थी, जो अब बढ़कर 105.65 गीगावाट हो गई है। कुल स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन 228.28 गीगावाट तक पहुंच चुका है, जिससे भारत सौर ऊर्जा में तीसरा और पवन ऊर्जा में चौथा सबसे बड़ा उत्पादक बन गया है।

डिजिटल क्रांति भी मोदी सरकार की बड़ी उपलब्धियों में शामिल है। आधार और यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म्स की मदद से देश में डिजिटल लेन-देन और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिला है। इस डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) ने न केवल प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) को सुचारू किया, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग पहुंच भी सुनिश्चित की। विश्व बैंक के अनुसार, जो काम कई देशों को दशकों में नहीं कर पाते, भारत ने छह वर्षों में कर दिखाया। आज भारत का डीपीआई मॉडल 12 से अधिक देशों द्वारा अपनाया जा चुका है।गरीबी उन्मूलन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2013-14 में जहां गरीबी दर 29.17 प्रतिशत थी, वह 2022-23 में घटकर 11.28 प्रतिशत रह गई है। इस अवधि में 17.1 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं, जिससे सामाजिक विकास को भी गति मिली है।

विशेष

अंधविश्वास तथा आडम्बरों के घोर विरोधी थे संत कबीर

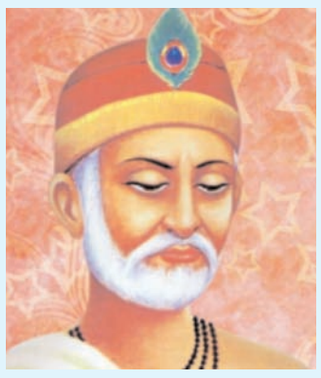

संत कबीर नित्य प्रति सत्संग किया करते थे और लोग दूरदराज से भी उनके प्रवचन सुनने आया करते थे। उनकी वाणी में ऐसी अद्भुत ताकत थी कि लोग उनका सत्संग सुनने अपने आप ही दूर-दूर से उनकी ओर खिंचे चले आते थे।

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

मध्यकालीन युग के महान कवि संत कबीर दास जी ने अपना सारा जीवन देशाटन करने और साधु-संतों की संगति में व्यतीत कर दिया और अपने उन्हीं अनुभवों को उन्होंने मौखिक रूप से कविताओं अथवा दोहों के रूप में लोगों को सुनाया। अपनी बात लोगों को बड़ी आसानी से समझाने के लिए उन्होंने उपदेशात्मक शैली में लोक प्रचलित और सरल भाषा का प्रयोग किया। उनकी भाषा में ब्रज, अवधी, पंजाबी, राजस्थानी तथा अरबी फारसी के शब्दों का मेल था। अपनी कृति सबद, साखी, रमैनी में उन्होंने काफी सरल और लोक भाषा का प्रयोग किया है। गुरु के महत्व को सर्वोपरि बताते हुए समाज को उन्होंने ज्ञान का मार्ग दिखाया।

मध्यकालीन युग के इन्हीं महान कवि संत कबीर दास जी की जयंती प्रतिवर्ष ज्येष्ठ माह की शुक्ल पक्ष पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है, जो इस वर्ष 11 जून को मनाई जा रही है। माना जाता है कि इसी पूर्णिमा को विक्रमी संवत 1455 सन 1398 में उनका जन्म काशी के लहरतारा ताल में हुआ था। संत कबीर सदैव कड़वी और खरी बातें करने वाले ऐसे स्वच्छंद विचारक थे, जिन्होंने समाज में फैली कुरीतियों, कर्मकांड, अंधविश्वास, अंधश्रद्धा, आडम्बरों की कड़ी आलोचना करते हुए समाज में प्रेम, सद्भावना, एकता और भाईचारे की अलख जगाई। उन्होंने अपने दोहों और वाणी के माध्यम से धर्म के नाम पर आम जनता को दिग्भ्रमित करने वाले काजी, मौलवी, पंडितों, पुरोहितों को आईना दिखाने का भी साहसिक प्रयास किया। संत कबीर नित्य प्रति सत्संग किया करते थे और लोग दूरदराज से भी उनके प्रवचन सुनने आया करते थे। उनकी वाणी में ऐसी अद्भुत ताकत थी कि लोग उनका सत्संग सुनने अपने आप ही दूर-दूर से उनकी ओर खिंचे चले आते थे। एक दिन सत्संग खत्म होने के बाद भी एक व्यक्ति वहां बैठा रहा। कबीरदास ने उस व्यक्ति से इसका कारण पूछा तो उसने उत्तर दिया, ''महाराज! मुझे आपसे कुछ जानना है। दरअसल मैं एक गृहस्थ हूं और परिवार में सभी लोगों से अक्सर मेरा झगड़ा होता रहता है। मुझे समझ ही नहीं आता कि आखिर मेरे यहां गृह क्लेश क्यों होता है और वह किस प्रकार दूर हो सकता है?''

संत कबीर कुछ देर चुप रहे, फिर उन्होंने अपनी पत्नी को आवाज लगाते हुए कहा कि जरा लालटेन जलाकर लाओ! दोपहर का समय था और बाहर तेज धूप निकली हुई थी लेकिन उनकी पत्नी बिना कोई सवाल पूछे चुपचाप उनके कहेनुसार लालटेन जलाकर ले आई। वह आदमी भौंचक्का सा यह दृश्य देखते हुए विचार करने लगा कि आखिर संत ने इतनी दोपहर में भी लालटेन क्यों मंगाई है? कुछ मिनटों के बाद कबीरदास ने फिर पत्नी को आवाज लगाई और कहा कि जरा कुछ मीठा दे जाना। पत्नी आई और मीठे के बजाय थोड़ी नमकीन रखकर चली गई। वह व्यक्ति सोचने लगा कि ये संत और इनकी पत्नी शायद पागल हैं, तभी दोपहर के समय लालटेन जलाते हैं और मीठे के बदले यहां नमकीन मिलती है। यही सोचकर उसने चुपचाप वहां से खिसकने के इरादे से कहा कि महाराज! मैं अब चलता हूं। लेकिन कबीरदास ने उससे पूछा कि आपको अपनी समस्या का समाधान मिला या अभी भी कोई संशय शेष है?

उस व्यक्ति को कुछ समझ नहीं आया और वह आश्चर्य से उनकी ओर देखने लगा तो संत कबीर ने उसे समझाते हुए कहा कि जिस प्रकार मैंने दोपहर की रोशनी में भी लालटेन मंगवाई तो मेरी धर्मपत्नी मुझे ताना मारते हुए कह सकती थी कि मैं सठिया गया हूं, जो इस दोपहरी में भी लालटेन मंगवा रहा हूं लेकिन उसने सोचा कि अवश्य ही मुझे किसी काम के लिए लालटेन की जरूरत होगी। इसी प्रकार मेरे मीठा मंगवाने पर जब वह नमकीन देकर गई तो मैं भी उससे बहस कर सकता था लेकिन मैंने विचार किया कि संभवतः घर में कोई मीठी वस्तु नहीं होने पर ही वह नमकीन देकर गई है। आखिर गृहस्थ जीवन में ऐसे बातों को लेकर तकरार का क्या अर्थ? कबीरदास ने उसे गृहस्थ जीवन का मूल मंत्र समझाते हुए कहा कि अगर पति से कोई गलती हो जाए तो पत्नी संभाल ले और पत्नी से कोई गलती होने पर पति उसे नजरअंदाज कर दे। गृहस्थी में आपसी विश्वास से ही तालमेल बनता है और इससे विषम से विषम परिस्थिति भी स्वतः ही हल हो जाती है।

नजरिया

श्रम की खुशबू और सफलता

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

किसी भी लक्ष्य को पाने के लिए सही योजना परिकल्पना तथा रणनीति अत्यंत आवश्यक है। अपने लक्ष्य के अनुसार अपनी क्षमता को दृष्टिगत रखते हुए व्यक्ति को अपनी प्राथमिकताएं सुनियोजित कर लेनी चाहिए, लक्ष्य प्राप्ति के लिए यह बहुत जरूरी है कि आपके पास उपलब्ध समय की गणना आवश्यक रूप से कर ले, अन्यथा अपने टारगेट से इधर उधर भटक सकते हैं, ऐसी स्थिति में मन को एकाग्र रखकर आत्मविश्वास को द्विगुणित कर के एकाग्रता को एक हथियार की तरह इस्तेमाल करना एक महत्वपूर्ण कदम होगा, सर्वप्रथम आप अपनी क्षमता शक्ति एवं ऊर्जा को पहचानिए एवं लक्ष्य की तरफ एक एक सोपान धीरे धीरे बढ़ाते जाएं, लक्ष्य के स्वरूप और छोटा या बड़ा होने की मन में कल्पना न करें, लक्ष हमेशा लक्ष्य होता है छोटा बड़ा नहीं, इसके लिए बहुत ही ठंडे दिमाग से योजना बनाकर लक्ष्य की प्राप्ति के उपायों को मन ही मन तय करें एवं प्राथमिकता के आधार पर उसकी धीरे धीरे तैयारी करना शुरू करें। सफलता के लिए अपने संसाधन सुनिश्चित करने के पश्चात एक सुनियोजित योजना बनाकर समय की प्रतिबद्धता के हिसाब से धीरे-धीरे आगे की ओर अपने कदम न सुनिश्चित करें। लक्ष्य प्राप्ति के लिए जो सबसे बड़ा शस्त्र है वह समय का सदुपयोग, क्योंकि हम सभी को मालूम है कि हमारे पास दिन में सिर्फ 24 घंटे ही उपलब्ध होते हैं, इसमें हमें दैनिक दिनचर्या शारीरिक एवं मानसिक शक्ति प्राप्त करने के लिए समय निकालने की आवश्यकता होगी, ऐसे में समय का समुचित उपयोग एक सफल नियोजन कर्ता की तरह किया जाना चाहिए, उपलब्ध समय में उचित समय पर उठना स्नान, ध्यान, भोजन एवं मानसिकता दृढ़ता के लिए समुचित नींद या निद्रा की अत्यंत आवश्यक होती है। किसी ने सच कहा है, मन के हारे हार है और मन के जीते जीत, यदि आपको जीवन में जीत या सफलता प्राप्त करनी है तो आप मानसिक दृढ़ता के साथ आप आत्मविश्वास से लवरेज यानी ओतप्रोत होने के लिए तैयार हो जाए, लक्ष्य छोटा हो या बड़ा घबराने की आवश्यकता नहीं है , क्योंकि मनुष्य का मस्तिष्क ही सोच के हिसाब से सफलता लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सक्षम होता है। काम करने से पहले ही यदि आप आधे मन से अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होंगे तो सफलता प्राप्त होने में संदेह ही नहीं सारी परिस्थितियां संदिग्ध हो जाती है। लक्ष्य की दूरहता या क्लिष्टता का पूर्वानुमान अपनी सफलता की तैयारी के पूर्व ही कर लिया जाना चाहिए और इन सब के लिए सुनियोजित रणनीति या कार्य योजना तैयार कर उस लक्ष्य की तरफ रुख किया जाना चाहिए।

सफलता की प्राप्ति के लिए दिन के लक्ष्य को कागज पर उतार कर उससे जुड़ी हुई विषमताओं एवं चुनौतियां को लिखकर चुनौतियों के समाधान को भी अपने मस्तिष्क में स्थापित कर लेना चाहिए। जिससे यह आपको सुनिश्चित हो जाएगा कि आप लक्ष्य की कठिनाइयों को किस तरह दूर कर पाएंगे और इनका निदान किस तरह किया जा सकेगा। कई बार ऐसे अवसर आएंगे जब आपका आत्मविश्वास आपकी उर्जा एवं शक्ति डगमगाने लगेगी, ऐसे मौके या तो आपकी शारीरिक कमजोरी, मानसिक शिथिलता, सामाजिक, पारिवारिक परिस्थितियों एवं काल के कारण आपके सम्मुख आ सकती है।

अपनी प्राथमिकताओं में सर्व प्रथम स्थान नींद रखें और रोज ही अपने लिखे हुए कार्यों को सुचारू रूप से संपादित करें अपने कार्य को प्राप्त करने के लिए होमवर्क किया जाना होगा।

सफलता की प्राप्ति के लिए दिन के लक्ष्य को कागज पर उतार कर उससे जुड़ी हुई विषमताओं एवं चुनौतियां को लिखकर चुनौतियों के समाधान को भी अपने मस्तिष्क में स्थापित कर लेना चाहिए। जिससे यह आपको सुनिश्चित हो जाएगा कि आप लक्ष्य की कठिनाइयों को किस तरह दूर कर पाएंगे और इनका निदान किस तरह किया जा सकेगा। कई बार ऐसे अवसर आएंगे जब आपका आत्मविश्वास आपकी उर्जा एवं शक्ति डगमगाने लगेगी, ऐसे मौके या तो आपकी शारीरिक कमजोरी, मानसिक शिथिलता, सामाजिक, पारिवारिक परिस्थितियों एवं काल के कारण आपके सम्मुख आ सकती है। इन परिस्थितियों में मनुष्य को लगने लगता है कि उनकी मेहनत और लक्ष्य अनायास व्यर्थ हो गई हैं। बस ऐसे ही समय में आपको अपने मस्तिष्क मे से नकारात्मक विचारों और सोच को दूर रख कर मनन कर आत्मविश्वास के साथ दूर कर आगे की ओर अग्रसर होना है।

यही समय है जब आपको अपने आप को संतुलित कर आगे की ओर ले जाना है, और सबसे अहम एवं महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि लक्ष्य प्राप्ति के दौरान आप नकारात्मक यानी कि नेगेटिव वातावरण एवं इस तरह की मानसिकता वाले व्यक्तियों से दूर रहकर मस्तिष्क में सकारात्मक ऊर्जा भरकर आत्मविश्वास से लबालब होना है। इस तरह आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति की ओर पूरी ऊर्जा और सामर्थ्य के साथ प्राप्त करने के लिए अग्रसर होंगे, लक्ष्य प्राप्ति के साधनों तथा उससे जुड़े हुए समर्थ व्यक्तियों की तलाश में भी आपको सतत रहना होगा यदि आप प्रतियोगिता परीक्षा और उसकी सफलता के लिए प्रयासरत हैं तो ऐसे व्यक्तियों को सदैव बुद्धिमान एवं मेहनती अध्येता के साथ विचार विमर्श करना चाहिए एवं लाइब्रेरी या पुस्तक विक्रेताओं से सर्वश्रेष्ठ ज्ञानार्जन के लिए किताबों का संग्रह किया जाना चाहिए या किसी का अन्य लक्ष्य हो तो सदैव उसे समय की उपयोगिता तथा उसकी सार्थकता पर जरूर ध्यान केंद्रित कर सफल व्यक्तियों का अनुसरण किया जाना चाहिए तभी सफलता उनके कदम चूमेगी और सफलता का एक ही सूत्र एवं रहस्य है कि अपने मस्तिष्क की प्रबलता बनाए रखें जाने के साथ कड़ी मेहनत भी करें, तब जाकर सफलता व्यक्ति के कदम चूमती है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चैटजीपीटी हुआ तकनीकी व्यवधान का शिकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। कृत्रिम मेधा (एआई) क्षेत्र की कं दिग्गज कंपनी ओपनएआई के एआई टूल चैटजीपीटी को मंगलवार को वैश्विक स्तर पर व्यवधान का सामना करना पड़ा जिससे दुनिया भर में फैले लाखों उपयोगकर्ता इसका देर तक इस्तेमाल नहीं कर पाए। चैटजीपीटी की सेवाओं पर सबसे ज्यादा असर भारत और अमेरिका के उपयोगकर्ताओं पर देखने को मिला। यहां के हजारों उपयोगकर्ताओं ने बाकायदा व्यवधान की शिकायतें दर्ज कराईं। डिजिटल गतिविधियों पर नजर रखने वाले मंच 'डाउनडिटेक्टर' ने कहा कि अपराह्न तीन बजे के करीब चैटजीपीटी टूल के इस्तेमाल में दिक्कतें आनी शुरू हुईं और इसका असर तेजी से बढ़ता गया। अकेले भारत में ही तकनीकी व्यवधान की लगभग 800 शिकायतें दर्ज कराई गईं। भारत से दर्ज कराई गई 88 प्रतिशत शिकायतें चैटबॉट के सवालों के जवाब न देने से संबंधित थीं। वहीं आठ प्रतिशत लोगों ने मोबाइल ऐप के साथ समस्याओं की सूचना दी जबकि तीन प्रतिशत ने एपीआई से संबंधित समस्याओं का सामना किया। चैटजीपीटी के इस्तेमाल का प्रयास करने वाले उपयोगकर्ताओं को बार-बार खेद जताने वाले संदेश देखने को मिल रहे थे। इनमें हम्म...कुछ गलत हो गया है और नेटवर्क में गड़बड़ी हुई। कृपया अपना कनेक्शन जांचें और दोबारा प्रयास करें। जैसे संदेश शामिल हैं। जल्द ही यह व्यवधान सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बन गया। परेशान उपयोगकर्ताओं ने इस बारे में मीम्स साझा किए, निराशा जताई और रोजमर्रा के काम के लिए एआई टूल पर बढ़ती निर्भरता को भी बयां किया। चैटजीपीटी का विकास करने वाली कंपनी ओपनएआई ने इस तकनीकी व्यवधान को स्वीकार करने के साथ ही कहा कि चैटजीपीटी और उसका टेक्स्ट-टू-वीडियो मंच सोरा दोनों ही इससे प्रभावित हुए हैं।

पूजा

नागपुर में 'वट सावित्री पूजा' के अवसर पर अनुष्ठान करती महिलाएँ।

अभिनेता अनुपम खेर, रश्मिका मंदाना और नागार्जुन को मुंबई के हवाई अड्डे पर देखा गया।

भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' से दुनिया में बढ़ाई अपनी धाक : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को इस आरोप को खारिज कर दिया कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ जारी 'संघर्ष' को विराम देने में जल्दबाजी की। उन्होंने कहा कि इससे इतर, भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए प्रौद्योगिकी के युद्ध के नए दौर में दुनिया में अपनी 'धाक' बढ़ाई है। मुख्यमंत्री यादव ने राजधानी भोपाल स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यालय में पत्रकारों के सवालों के जवाब में यह बात कही। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की 11वीं वर्षगांठ पूरा होने के एक दिन बाद यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया।

यादव ने कहा कि अमेरिका और इजराइल के बाद भारत दुनिया का तीसरा ऐसा देश है, जिसने दुश्मनों के घर में घुसकर आतंकवादियों को मारा और हिसाब चुकता किया। प्रधानमंत्री मोदी ने नौ जून, 2024 को तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली थी। मोदी सरकार ने सोमवार को अपने तीसरे कार्यकाल की पहली और कुल मिलाकर 11वीं वर्षगांठ मनाई। यादव ने कहा, नए दौर में प्रौद्योगिकी से ही युद्ध होंगे और इस प्रौद्योगिकी के युद्ध में दुनिया में सबसे बड़ी धाक इस घटना के बाद (ऑपरेशन सिंदूर) भारत की बढ़ी है। इसके लिए हमारी सेना को भी धन्यवाद, मोदी जी को भी धन्यवाद।

उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने सीमित समय में भारी मार करके दुश्मनों को 'आड़ा' कर दिया। आड़ा का अर्थ है कि पलक झपकते ही दुश्मन को ध्वस्त कर देना। उन्होंने कहा कि तभी तो पाकिस्तान संघर्ष विराम का रास्ता चुनने के लिए मजबूर हुआ। यादव ने कहा, यह कम बड़ी बात नहीं है। इससे पहले दोनों बार (एयर स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक) पाकिस्तान ने संघर्ष विराम की बात नहीं कही थी।

मुख्यमंत्री से सवाल पूछा गया था कि क्या भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान संघर्ष विराम में जल्दबाजी नहीं दिखा दी, जबकि परिस्थितियां अनुकूल थीं। यादव ने कहा, पहली बार परमाणु शक्ति संपन्न पाकिस्तान को संघर्षविराम के लिए आगे आना पड़ा। क्योंकि उसे मार पड़ी। देश के दुश्मनों के साथ निपटने का यही मोदी जी का तरीका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक तरफ भारत के प्रधानमंत्री हर सभा में बोल रहे हैं कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की भाषा 'बेचारगी' वाली हो गई है।

हार्वर्ड में अनिश्चितताओं से जूझ रहे भारतीय छात्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क। हार्वर्ड में पढ़ रहे भारतीय छात्रों का कहना है कि वे ट्रंप प्रशासन की विश्वविद्यालय के खिलाफ लगातार लड़ाई के बीच अनिश्चितता और चिंता के दौर से गुजर रहे हैं। साथ ही नौकरी के अवसरों की कमी को लेकर भी फिक्रमंद हैं। हार्वड केनेडी स्कूल से पिछले महीने स्नातक हुए एक भारतीय छात्र ने नाम जाहिर नहीं होने की गुजारिश पर कहा, यह ऐसा समय है जब हम समझ नहीं पा रहे हैं कि क्या करें, क्या हमें घर लौट जाना चाहिए, या फिर यहीं कुछ उपाय निकालने की कोशिश करनी चाहिए। हार्वड में कुछ भारतीय छात्रों ने नाम नहीं जाहिर करने के आग्रह पर 'पीटीआई' से बात करते हुए पिछले कुछ महीनों के अपने अनुभवों और चिंताओं को साझा किया, जिस दौरान प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय को ट्रंप प्रशासन के लगातार हमलों का सामना करना पड़ा है। प्रशासन की कार्रवाई में 2.2 अरब अमेरिकी डॉलर के अनुदान पर रोक लगाना, अंतरराष्ट्रीय छात्रों को दाखिला देने की विश्वविद्यालय की पात्रता को रद्द करना तथा हार्वर्ड में अध्ययन या आदान-प्रदान कार्यक्रमों में भाग लेने के इच्छुक विदेशी नागरिकों के प्रवेश को निलंबित करना शामिल है। आंतरिक सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने कहा है कि हार्वड नेतृत्व ने अमेरिका विरोधी और आतंकवाद समर्थक लोगों को प्रवेश की अनुमति देकर परिसर में असुरक्षित माहौल पैदा किया है। उसके मुताबिक, ये लोग यहूदी विद्यार्थियों समेत अन्य व्यक्तियों पर हमले करते हैं जिससे परिसर का अध्ययन वातावरण बाधित हुआ है। हार्वर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ डिजाइन से दो वर्षीय पाठ्यक्रम करने वाली एक अन्य भारतीय छात्रा ने कहा कि छात्र इस योजना के साथ यहां आते हैं कि वे अमेरिकी संस्थानों में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद अमेरिका में कुछ वर्षों तक काम कर सकें। मगर उसने पिछले कुछ महीनों की स्थिति को उतार-चढ़ाव वाला बताया।

छात्रा ने कहा, इतनी सारी अनिश्चितताओं के बीच मैं कह सकती हूं कि जो लोग अभी नौकरियां दे रहे हैं, वे आम तौर पर अंतरराष्ट्रीय छात्रों को लेकर झिझक महसूस कर रहे हैं। पहले शायद हावर्ड का नाम इस झिझक को दूर कर देता था, लेकिन इस समय, खासकर अभी की स्थिति में, ऐसा नहीं है। हार्वर्ड केनेडी स्कूल की छात्रा ने बताया कि वह इस समय नौकरी की तलाश में जुटी है। उसने बताया कि वर्तमान परिवेश में नौकरी पाना कितना कठिन है। छात्रा ने बताया, नियोक्ताओं ने किसी भी अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी को काम पर रखना बंद कर दिया है। हार्वर्ड के अंतरराष्ट्रीय छात्रों की तो बात ही छोड़िए, क्योंकि हमारी वीज़ा स्थिति इतनी अस्थिर है। छात्रा ने कहा कि उसे नहीं पता कि

वेब सीरीज 'हैलो पूजा' में अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी ज़ैनब पत्रा

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ज़ैनब पत्रा वेब सीरीज 'हैलो पूजा' में अहम भूमिका निभाती नजर आयेंगी। चुल्ल टीवी एक बार फिर से अपनी अपकमिंग वेब सीरीज को लेकर चर्चा में है। इस बार जो सीरीज सुर्खियों में है, उसका नाम है 'हैलो पूजा'। चुल्ल टीवी की इस वेब सीरीज की कहानी आज की जेनेरेशन जेड लड़कियों की डिजिटल लाइफस्टाइल को लेकर है, जहां वो नए-नए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर अनजान लड़कों से बात करती हैं, चैटिंग करती हैं और उनसे पैसे मांगती हैं। शुरुआत में यह सब एक गेम जैसा लगता है, लेकिन धीरे धीरे यह

आदत अपराध की दुनिया की ओर ले जाती है। कहानी में दिखाया गया है कि कैसे एक लड़की जो सिर्फ चैट और पैसों के लिए यह सब शुरू करती है, धीरे-धीरे जाल में फंसती जाती है और खुद एक क्रिमिनल बन जाती है। इस वेब सीरीज का एंड शॉकिंग है और सोचने पर मजबूर करता है कि कहीं यह कहानी हमारे आसपास भी तो नहीं घट रही।

इस सीरीज में खास बात यह है कि मशहूर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ज़ैनब पत्रा भी अहम किरदार में नजर आएंगी। ज़ैनब पत्रा डिजिटल दुनिया का जाना-माना नाम हैं।

इंस्टाग्राम और रील्स की दुनिया में उनका स्टाइल, परफॉर्मेंस और ऑथेंटिसिटी के लिए एक अलग ही फैनबेस है। वेब सीरीज में उनका किरदार न सिर्फ बोल्ड है, बल्कि भावनात्मक और सशक्त प्रदर्शन से भरपूर है, जो दर्शकों को बांधकर रखेगा। यह पहली बार है जब ज़ैनब किसी क्राइम-थ्रिलर वेब सीरीज़ में नजर आ रही हैं, और उनके फैन्स इस अवतार को देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

सच्ची भक्ति अपने अहंकार को त्यागकर ईश्वर के प्रेम पर भरोसा करने में है : तरूण खन्ना

मुंबई/एजेन्सी

सोनी सब के 'वीर हनुमान' में भगवान शिव की भूमिका निभा रहे तरुण खन्ना का कहना है कि सच्ची भक्ति बड़े प्रदर्शन में नहीं, बल्कि अपने अहंकार को त्यागकर ईश्वर के प्रेम पर भरोसा करने में है। सोनी सब का वीर हनुमान भावनात्मक भक्ति और दिव्यता की सशक्त प्रस्तुति से दर्शकों को लगातार प्रेरित कर रहा है। हाल के एपिसोड्स में शो एक महत्वपूर्ण और दिव्य मोड़ पर पहुंच चुका है, जहाँ भगवान हनुमान अयोध्या पहुँचते हैं, लेकिन भगवान राम (तनमय ननी) से मिलने के मार्ग में स्वयं देवता बाधाएँ उत्पन्न कर रहे हैं। अपने अटूट विश्वास से प्रेरित होकरभगवान हनुमान प्रभु श्रीराम से मिलने अनेक कठिनाइयों को पार करते हैं। वे अकेले, भूखे, घने जंगलों में भटकते हैं, अनेक कठिन चुनौतियों का सामना करते हैं, फिर भी भक्ति की अडिग भावना से यात्रा जारी रखते हैं।

प्रभु राम के लिए एक माला बनाने के संकल्प के साथ, वे कई नई बाधाओं से जूझते हैं। इसी यात्रा में उनकी मुलाकात एक रहस्यमयी किंतु दयालु व्यक्ति से होती है, जो उन्हें भक्ति का गूढ़ अर्थ समझने में मदद करता है।

हनुमानजी को ज्ञात नहीं होता कि यह व्यक्ति वास्तव में भगवान शिव (तरुण खन्ना) ही हैं, जो भोला के रूप में प्रकट हुए हैं। इस मुलाकात से हनुमानजी को यह एहसास होता है कि सच्ची भक्ति का अर्थ है पूर्ण समर्पण अपने अहंकार, भय और संदेह को त्यागकर प्रभु राम के प्रेम को शुद्ध हृदय से अपनाना। तरुण खन्ना ने कहा,जब भी मैं रुद्राक्ष पहनकर महादेव के रूप में पर्दे पर आता हूं, एक अलग ही जिम्मेदारी और श्रद्धा का भाव मुझे घेर लेता है। यह सिर्फ संवाद और अभिनय का विषय नहीं है, बल्कि शिव की शांति, करुणा और ब्रह्मांडीय शक्ति को आत्मसात करने की बात है। आने वाले ट्रैक में मैं भोला नाम के एक साधारण, रहस्यमय पुरुष के रूप में प्रकट होता हूं, जो हनुमानजी को भक्ति का सार समझाने में मदद करता है।

यह कहानी एक सभी के लिए संदेश देती है कि सच्ची भक्ति बड़े प्रदर्शन में नहीं, बल्कि अपने अहंकार को त्यागकर ईश्वर के प्रेम पर भरोसा करने में है। एक पिता होने के नाते ये कहानियाँ मेरे मन में और भी गहराई से उतरती हैं। मैं अक्सर सोचता हूं कि मैं अपने बेटे का मार्गदर्शन कैसे करता हूं ,बलपूर्वक नहीं, बल्कि करुणा और बुद्धि के साथ, जैसे शिव अपने भक्तों के साथ करते हैं। 'वीर हनुमान', सोमवार से शनिवार, शाम 7:30 बजे, सिर्फ सोनी सब पर प्रसारित होता है।

श्रिया पिलगांवकर ने उत्तर प्रदेश की महिला पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर ने हाल ही में उत्तर प्रदेश की महिला पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की जो उनके लिये भावुक पल रहा। ज़ी5 की ओरिजिनल सीरीज़ ' छल कपट: द डिसेप्शन ' में एक पुलिस अधिकारी के रूप में अपने दमदार रूपांतरण से दर्शकों को चौंकाने वालीं श्रिया पिलगांवकर ने हाल ही में लखनऊ में उत्तर प्रदेश की महिला पुलिस अधिकारियों, जिनमें एडीजी पद्मजा चौहान भी शामिल थीं, से मुलाकात की। इस दौरान, उन्हें उत्तर प्रदेश की अत्याधुनिक हेल्पलाइन 1090 के कामकाज के बारे में जानकारी दी गई, जो महिलाओं के लिए त्वरित और संवेदनशील सहायता सेवा प्रदान करती है। श्रिया ने इस अनुभव को 'आँखें खोल देने वाला' बताया और कहा कि इससे उन्हें इंस्पेक्टर देविका के किरदार को और गहराई से समझने का मौका मिला। घरेलू हिंसा की पीड़िता रही देविका, अब एक ऐसी अफसर है, जिसकी नज़रें झूठ और फरेब को चीर देती हैं।

' छल कपट: द डिसेप्शन' की कहानी एक छोटे-से गाँव के विवाह समारोह से शुरू होती है, जहाँ अलीशा अपनी बचपन की सहेलियों- महक, इरा और शालू से मिलती है। लेकिन, खुशियों के इस माहौल में उस समय भूचाल आ जाता है, जब सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बनी शालू मृत पाई जाती है।

इसके बाद जाँच शुरू होती है और हर दोस्त पर शक गहराने लगता है। इस रहस्यमयी हत्या की गुत्थी सुलझाने की जिम्मेदारी इंस्पेक्टर देविका के कंधों पर है, जो खुद भी अपने अतीत से जूझ रही है। श्रिया ने कहा, 1090 हेल्पलाइन और इन महिला अफसरों की कार्यशैली ने मुझे बहुत प्रेरित किया। इंस्पेक्टर देविका अब मेरे लिए सिर्फ एक किरदार तक ही सीमित नहीं रह गई है, वह हर उस महिला की प्रतिनिधि बन गई है, जो टूटकर भी उठ खड़ी होती है।

फिल्म 'स्टोलन' का टॉप 10 फिल्मों में शामिल होना खास अनुभव : अभिषेक बनर्जी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बनर्जी ने कहा है कि जब आजकल सिर्फ बड़ी बजट की और फॉर्मूला फिल्मों का बोलबाला है, ऐसे में उनकी फिल्म 'स्टोलन' को इतना प्यार मिलना और अमेरिका और भारत में प्राइम वीडियो पर टॉप 10 फिल्मों में शामिल होना उनके लिये खास अनुभव है। आज के सिनेमाई माहौल में जहां बड़ी-बड़ी फिल्में और बड़े बजट के प्रोजेक्ट्स ही छाए रहते हैं, वहीं अभिषेक बनर्जी की फिल्म 'स्टोलन' यह साबित कर रही है कि कंटेंट पर आधारित कहानियां भी दर्शकों को अपनी तरफ खींच सकती हैं। यह थ्रिलर फिल्म इस समय प्राइम वीडियो पर भारत और अमेरिका दोनों में टॉप 10 में ट्रेंड कर रही है, जो फिल्म और इसके मेकर्स के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। फिल्म स्टोलन के मुख्य अभिनेता अभिषेक बनर्जी, जिन्हें फिल्म में उनके शानदार अभिनय के लिए खूब तारीफ मिल रही है, ने अपने दिल की बात कही।

उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश और इमोशनल हूं। हमने 'स्टोलन' को पूरी ईमानदारी से बनाया, और अब इसे इतना प्यार और टॉप पर ट्रेंड करते देखना वाकई एक भावुक पल है। यह अच्छा दौर है जब दर्शक सिर्फ फिल्म का स्केल नहीं, बल्कि अच्छी फिल्मों को भी इतना प्यार दे रहे हैं। इससे हम जैसे कहानीकारों को आगे की राह आसान लगती है।

'मालिक की धड़कन' बनीं मानुषी छिल्लर

मुंबई/एजेन्सी

मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर अपनी अगली फिल्म 'मालिक' में एक ऐसी भूमिका में नज़र आने वाली हैं, जो पहले कभी नहीं देखी गई है। 11 जुलाई को रिलीज़ होने वाली इस बहुप्रतीक्षित गैंगस्टर ड्रामा के निर्माताओं ने आखिरकार फिल्म में मानुषी छिल्लर का लुक जारी कर दिया है। एक साधारण लेकिन पारंपरिक भारतीय पोशाक में सजी मानुषी इस पोस्टर में बेहद सौम्य, खूबसूरत और शालीन नज़र आ रही हैं, और उनके साथ लीड एक्टर राजकुमार राव भी दिखाई दे रहे हैं। मानुषी ने अपने ग्लैमरस व्यक्तित्व से हट कर एक साधारण और पारंपरिक लुक अपनाया है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। फिल्म का निर्देशन पुलकित ने किया है और इसे कुमार तौरानी और जय शेवकरमणि ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म में मानुषी को एक ऐसे किरदार में दिखाया गया है, जिसे उन्होंने अभी तक बड़े पर्दे पर नहीं निभाया है। इस फर्स्ट लुक के ज़रिए मानुषी न सिर्फ चौंकाती हैं, ब्लकि हमें प्रभावित भी करती है! वह मालिक के साथ अपनी पिछली ऑन-स्क्रीन प्रस्तुतियों और भूमिकाओं से एक सूक्ष्म बदलाव करती हैं, इस प्रकार इंडस्ट्री में वो खुद को एक

बहुमुखी कलाकार के रूप में गंभीरता से लिए जाने की उनकी महत्वाकांक्षा का संकेत देती हैं। 'मालिक की धड़कन' के रूप में पेश किए गए पोस्टर में मानुषी और राजकुमार की जोड़ी बेहद आकर्षक लग रही हैं। राजकुमार राव ने मानुषी के किरदार का परिचय देते हुए लिखा, जिनके बिना चलती नहीं मालिक की धड़कन, उनसे होगी आज मुलाक़ात

जहां पोस्टर में दोनों लीड किरदारों के बीच प्यार और केमिस्ट्री की झलक मिलती है, वहीं चूंकि मालिक एक गहन गैंगस्टर ड्रामा है, इसलिए अटकलें लगाई जा रही हैं कि मानुषी की किरदार केवल एक पारंपरिक प्रेमिका तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उसमें कई परतें होंगी।

फिल्म में बंगाल के दिग्गज अभिनेता प्रोसेनजीत चटर्जी, अंशुमान पुष्कर और स्वरानंद किरकिरे जैसे दमदार कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। सूत्रों के अनुसार, मानुषी का किरदार फिल्म की कहानी में बेहद अहम है और मेकर्स इसकी डिटेल्स रिलीज़ से पहले उजागर नहीं करना चाहते। पोस्ट के नीचे कई नेटिज़न्स ने मानुषी की सादगी की प्रशंसा करने से लेकर उनके आराम क्षेत्र को चुनौती देने वाली भूमिकाएं करने के लिए उनकी प्रशंसा करना शामिल है। मालिक की रिलीज़ के बाद, मानुषी अगली बार तेहरान में दिखाई देंगी, जहाँ वह जॉन अब्राहम के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | बुधवार | 11-06-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ कर्नाटक के नए अध्यक्ष प्रकाश बुरड़, महिला शाखा की अध्यक्षा स्नेहलता बाफना, युवा शाखा के अध्यक्ष प्रकाश बाबेल, उनके पदाधिकारीगण एवं कार्यकारिणी सदस्यों का संयुक्त शपथ ग्रहण समारोह यशवंतपुर स्थित मेवाड़ भवन में सोमवार को सम्पन्न हुआ।

शिरकत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ का एक प्रतिनिधिमंडल रायचूर में मुमुक्षु दिलीप कुमार धोका के दीक्षा निमित्त आयोजित शोभायात्रा एवं अभिनंदन समारोह में शामिल हुआ। अलसूर संघ के धनपत राज तातेड़, प्रकाशचंद नाहटा, उगमराज मुथा, मनोज कुमार गादिया, तेजराज तातेड़ के साथ युवक संघ के सदस्य भी प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने मंगलवार को अध्यक्ष कैलाश संखलेचा के नेतृत्व में नवनियुक्त नगर पुलिस आयुक्त सीमंतकुमार सिंह से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दी। संघ के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा, जिनेश मेहता, उगमचंद खांटेड, रूपचंद कुमट, रामलाल गन्ना, भोपाल सोनवाड़िया आदि ने पुलिस आयुक्त का सम्मान किया।

युवा अध्यक्ष प्रकाश बाबेल(बाएं) संघ अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ (मध्य) व महिला अध्यक्ष स्नेहलता बाफना (दाएं)

एकता और भाईचारे के साथ समाज हो मजबूत, यही हमारा लक्ष्य : प्रकाश बुरड़

मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ, महिला व युवा शाखा का शपथ ग्रहण सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ कर्नाटक के नए अध्यक्ष प्रकाश बुरड़, महिला शाखा की अध्यक्षा स्नेहलता बाफना, युवा शाखा के अध्यक्ष प्रकाश बाबेल, उनके पदाधिकारीगण एवं कार्यकारिणी सदस्यों का संयुक्त शपथ ग्रहण समारोह यशवंतपुर स्थित मेवाड़ भवन में सोमवार को सम्पन्न हुआ। संघ के अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ ने माता शकुन्तलादेवी से आशीर्वाद लेकर उपस्थित संघ मार्गदर्शक लादूलाल ओस्तवाल, कन्हैयालाल चिप्पड़, नरेन्द्र सामर, शांतिलाल बाबेल, मनोहर लाल हिरण से अध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण की। प्रकाश बुरड़ ने शपथ लेने के पश्चात सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम सब एकता और भाईचारे के साथ आगे बढ़ते हुए समाज का संगठन और मज़बूत हो, उस पर विशेष ध्यान देंगे ।

संघ के उपाध्यक्ष के रूप में सुनील बाफना व ललित चोरड़िया, महामंत्री के रूप में पुखराज आंचलिया, कोषाध्यक्ष के रूप में सुनील कुमार बोल्या, सहकोषाध्यक्ष के रूप में ललित मेहता, सहमंत्री के रूप में मुकेश रांका व कमलेश भरसारिया, संगठन मंत्री के रूप में महावीर कोठारी व राकेश संचेती, प्रचार प्रसार मंत्री के रूप में सागर बाफना, खेल मंत्री के रूप में भूपेन्द्र हिरण को, साथ ही सलाहकार, केबिनेट पदाधिकारी, युवा अध्यक्ष, महिला अध्यक्षा व कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ दिलवाई।

महिला अध्यक्षा स्नेहलता बाफना ने महिला शाखा मंत्री अनीता बाबेल, कोषाध्यक्ष नीतू बाबेल तथा युवा अध्यक्ष प्रकाश बाबेल ने युवा मंत्री मनीष टुकलिया, कोषाध्यक्ष राजेश बाफना तथा अन्य पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ दिलवाई।

इस मौके पर महिला अध्यक्षा, युवा अध्यक्ष सहित जैन कान्फ्रेंस के महामंत्री नेमीचन्द दलाल, पूर्व अध्यक्ष पुखराज मेहता, शांतिलाल बाबेल, कन्हैयालाल चिप्पड़, कल्याणमल बुरड़, नरेन्द्र सामर, महिला शाखा के राष्ट्रीय प्रमुख मार्गदर्शिका आरती बुरड़ आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जैन कान्फ्रेंस, तेरापंथ समाज, जैन युवा संगठन, अम्बेश गुरु सेवा समिति , मेवाड़ भवन, मेवाड़ पैलेस व अन्य संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अभिषेक कावड़िया व ज्योति कोचेटा ने किया। संघ के नव मनोनीत महामंत्री पुखराज आँचलिया ने धन्यवाद दिया।

बाल्यावस्था ही आध्यात्मिकता के अंकुरण का सही समय होता है : डॉ पुलकित कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुनि डॉ पुलकित कुमार जी व आदित्य कुमार जी के सान्निध्य में तेरापंथ भवन यशवंतपुर में विशेष ज्ञानशाला सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुनिश्री पुलकित कुमार जी ने कहा कि जीवन को उच्च आदर्श युक्त बनाना मनुष्य का प्रथम कर्तव्य है।

मनुष्य जीवन अनंत शक्तियों का स्वामी है। विशेषकर बाल्यावस्था में अप्राप्य अथवा असाध्य जैसी कोई बात नहीं होती। बाल्यावस्था ही आध्यात्मिकता के अंकुरण का सही समय होता है। बच्चों में विनय के गुणों का अधिक महत्व है। विनम्रता ही जीवन में आगे बढ़ाने वाली होती है। मुनिश्री ने उपस्थित बच्चों को मुझे विनम्र बनना है, मुझे विद्वान बनना है, मुझे महान बनना है' का संकल्प करवाया। मुनिश्री ने ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं द्वारा निस्वार्थ भाव से बच्चों को ज्ञान, दान व आध्यात्मिक संस्कार देने के लिए अनुमोदना की। आदित्य मुनि ने ज्ञानशाला के बच्चों को ध्यान प्रयोग सिखाए। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष सुरेश बरड़िया ने वक्तव्य दिया। ज्ञानशाला की मुख्य प्रशिक्षिका मीनाक्षी दक ने मुनिश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। ज्ञानशाला सेमिनार में लगभग 40 विद्यार्थी तथा अनेक प्रशिक्षिकाएं उपस्थित थीं।

मुमुक्षु दिलीप कुमार धोका की दीक्षा की शोभायात्रा सम्पन्न, दीक्षा आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायचूर। जयगच्छाधिपति आचार्यश्री पार्श्वचंद्र जी, डॉ. पदमचंद्र जी एवं समणी प्रमुखा श्रीनिधि जी के सान्निध्य में 11 जून को होने जा रही मुमुक्षु दिलीपकुमार धोका की जैन भागवती दीक्षा के महोत्सव के अन्तर्गत मंगलवार को शोभायात्रा निकाली गई। सभा को संबोधित करते हुए डॉ. पदमचंद्र जी म. सा. ने संयम पथ की महत्ता बताते हुए कहा कि संयम लेने वाला, दिलवाने वाला और उनकी अनुमोदना करने वाला, तीनों ही महान पुण्य का उपार्जन करते हैं। एम फार्मा में गोल्ड मेडलिस्ट मुमुक्षु दिलीप कुमार धोका ने बारह वर्षों तक अमेरिका के कैलिफोर्निया में रहकर औषधियों पर शोध किया और अपनी पुत्रियों के विवाह आदि के कर्तव्य का निर्वहन करने के पश्चात अब सिंह की भाँति संयम पथ पर अग्रसर हो रहे हैं। रायचूर संघ के अध्यक्ष शान्तिलाल मूथा, मंत्री नरेन्द्रराज मूथा सहित अन्य पदाधिकारियों ने मुमुक्षु व उनके परिवारजनों का सम्मान किया।

अखिल भारतीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जयमल जैन श्रावक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाशचंद बोहरा, राष्ट्रीय महामंत्री स्वरूपचंद लूंकड़, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष गौतमचंद कोठारी, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष रेवंतमल नाहर सहित अनेक सदस्यों ने मुमुक्षु को संयम अभिनंदन पत्र प्रदान किया। अखिल भारतीय जयमल जैन स्वाध्याय संघ के अध्यक्ष विमलचंद सांखला, जेपीपी जैन युवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष भावेश धोका आदि ने भी सम्मान किया। इस अवसर पर रायचूर के विधायक डॉ. शिवराज पाटिल ने संतों के दर्शन किए और मुमुक्षु की अनुमोदना की। आचार्यश्री पार्श्वचंद्र जी के मंगलपाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम का संचालन पवन नाहर ने किया।

विजयनगर में अणुव्रत समिति का हुआ गठन, महेंद्र टेबा बने अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अणुव्रत विश्व भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्षा डॉ कुसुम लूनिया, कैलाश बोराणा, संगठन मंत्री राजेश चावत, कर्नाटक राज्य प्रभारी सुरेश देरासरिया, अणुविभा के परामर्शक बद्रीलाल पितलिया, प्रकाश बाबेल सभा संस्था सार संभाल के तहत संगठन यात्रा करने हेतु विजयनगर सभा भवन पहुंचे। इस अवसर पर अणुव्रत समिति के अध्यक्ष देवराज रायसोनी, नवमनोनीत अध्यक्ष ललित बाबेल, मैसूर अणुव्रत समिति अध्यक्ष मुस्कान नौलुका उपस्थित थे। विजयनगर सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर, तेयुप विजयनगर के अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, महिला मंडल की उपाध्यक्षा बरखा पुगलिया ने सभी का स्वागत किया। राष्ट्रीय व प्रांतीय पदाधिकारियों ने समिति के बारे में जानकारी दी और कहा कि अणुव्रत को जन जन तक पहुंचाया जाए क्योंकि यह मानवीय चेतना जगाने वाला उपक्रम है। उन्होंने विजयनगर में भी अणुव्रत समिति का गठन करने का प्रस्ताव रखा और सर्वसम्मति से अणुव्रत समिति विजयनगर का गठन किया गया और अध्यक्ष के रूप में महेंद्र टेबा को जिम्मेदारी दी गई। इस अवसर पर समिति व संबंधित संस्थाओं के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। संचालन राजेश चावत ने किया।

गौसेवा व वृक्षारोपण कर 'मातृछाया' ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जैन महिला संगठन 'मातृछाया' ने सोमनहल्ली, कनकपुरा रोड स्थित ऋषभ कामधेनु गौशाला में रविवार को जीवदया एवं वृक्षारोपण कर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। सदस्याओं ने गायों एवं अन्य पशुओं को चारा, फल, रोटी तथा पक्षियों को दाना-चुग्गा खिलाने के साथ ही गोशाला परिसर में आँवला, नीम, तुलसी आदि औषधीय एवं छायादार पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। अध्यक्ष ललिता नागोरी, मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी, उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना आदि ने गौशाला को आर्थिक सहयोग स्वरूप एक विशाल धनराशि का चेक प्रदान किया।संस्थापक हुक्मीचंद जैन ने मातृछाया का आभार प्रकट किया।

सचिव रेशमा बडोला ने धन्यवाद दिया। इस अवसर पर संगठन की पूर्व अध्यक्ष निर्मला दांतेवाड़िया, कांता समदड़िया, मनीषा सालेचा, त्रिशला दांतेवाड़िया, नीलम ललवानी, लीला भंसाली, ललीता ए नागोरी, मीना सोलंकी, उर्मिला सोलंकी, पुष्पा बोहरा, ऊषा चोपड़ा आदि सदस्याएं उपस्थित थीं।

टीपीएफ का दो दिवसीय दक्षिणांचल सम्मेलन सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण भारत तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ) के तत्वावधान में दो दिवसीय दक्षिणांचल सम्मेलन का आयोजन चेन्नई शाखा के तत्वावधान में रविवार को येलगिरी स्थित जैन रॉयल रिसॉर्ट में आयोजित हुआ जिसमें बेंगलूरु, चेन्नई, हैदराबाद, मैसूरु, हासन के अनेक प्रोफेशनल उपस्थित थे। दक्षिणांचल टीपीएफ के अध्यक्ष विक्रम कोठारी ने सभी का स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत ने सभी को टीपीएफ के माध्यम से सामाजिक और आध्यात्मिक क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। चेन्नई चैप्टर की अध्यक्ष बबीता चोपड़ा, राष्ट्रीय आध्यात्मिक संयोजक दिनेश धोका एवं कमलेश नाहर ने अपने विचार व्यक्त किए। दक्षिणांचल के मंत्री भरत भंसाली ने धन्यवाद दिया। दूसरे सत्र में सहमंत्री कल्पेश बाफना ने व्यापार में प्रौद्योगिकी एआई के उपयोग के बारे में समझाया। सभी शाखाओं ने अपने कार्यकाल की रिपोर्ट पेश की और उत्तम कार्य करने वाली शाखाओं को सम्मानित किया गया। तीसरे सत्र में अनेक मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। रिसॉर्ट के मालिक बेंगलूरु तेरापंथ सभा के पूर्व अध्यक्ष अमृतलाल भंसाली को सम्मानित किया गया। इस सम्मेलन में माणकचन्द बलदोटा, अनिल लुनावत उपस्थित थे। स्नेह बाफना और श्वेता नाहटा ने संचालन किया।

जीतो नॉर्थ लेडीज विंग द्वारा जायका प्रतियोगिता का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो नॉर्थ लेडीज विंग ने सेंटर फॉर एक्सीलेंस के अंतर्गत राष्ट्रीय योजना हेल्थ एवं न्यूट्रिशन के तहत खानपान पर आधारित जायका प्रतियोगिता 'जायका – दि बॉक्स ऑफ फ्लेवर्स' का आयोजन राजाजीनगर स्थित कार्यालय में किया। जीतो नॉर्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया एवं लेडीज विंग संयोजक नेमीचन्द जैन ने महिलाओं को शुभकामनाएं दी, जिसमें लगभग 20 महिला सदस्यों ने हस्तनिर्मित लज़ीज़ व्यंजनों की श्रृंखला प्रस्तुत की। प्रतियोगिता तीन प्रकार के व्यंजन (तरल, ठोस) के स्वाद, गुणवत्ता, प्रस्तुति और सफाई पर आधारित थी। निर्णायक के रूप में हयात सेंट्रिक के अभिमन्यु सिन्हा ने कहा कि महिलाओं का चारदीवारी से बाहर आकर अपनी अद्भुत पाक कला का प्रदर्शन करना गर्व का विषय है। दूसरे सत्र सेहत और जायका में सर्टिफाइड न्यूट्रीशियनिस्ट निमिषा लढ़ा ने सेहतमंद खानपान और न्यूट्रीशियस व्यंजनों की अहमियत को रेखांकित किया। निर्णायकों द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा की। शीतल बाफना ने प्रथम स्थान, केजल छाजेड़ ने द्वितीय स्थान और सरिता हीरावत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। नार्थ चैप्टर के महामंत्री विजय सिंघवी ने प्रतियोगिता में विजेताओं को बधाई दी।

इस मौके पर अपेक्स से संबंधित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। संयोजिका लेखा गांधी और सहसंयोजिका लता नवलखा ने निर्णायकों का परिचय दिया। सहमंत्री सुमन रांका ने संचालन और मंत्री रक्षा छाजेड़ ने आभार ज्ञापित किया।

चामराजपेट में नए भवन का भूमिपूजन व शिलान्यास सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चामराजपेट स्थित महावीर स्वामी जैन श्वेतांबर मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में चामराजपेट में नए भवन निर्माण के लिए भूमि पूजन और शिलान्यास कार्यक्रम आचार्यश्री उदयप्रभसूरीश्वरजी की निश्रा में संपन्न हुआ। सुरेशगुरुजी ने सभी लाभार्थियों द्वारा विभिन्न विधि विधान सम्पन्न करवाए। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष मदनलाल पोरवाल, उपाध्यक्ष पारसमल पगारिया, कोषाध्यक्ष बाबूलाल बाफना, सुरेश जैन, संदीप पिरगल, इंद्रजीत सोलंकी, गौतम मुथा और मंडल के चेयरमैन गौतम पोरवाल, अध्यक्ष संभव रांका सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

बेंगलूरु में भगदड़ : न्यायालय ने सुनवाई के लिए 12 की तारीख तय की

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम में चार जून को मची भगदड़ की घटना संबंधी याचिका पर मंगलवार को अगली सुनवाई के लिए 12 जून की तारीख तय की। पिछले सप्ताह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की आईपीएल में पहली जीत के उपलक्ष्य में जश्न मनाने के दौरान मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। अदालत ने मंगलवार को महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी को सीलबंद लिफाफे में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान शेट्टी ने कहा कि उन्होंने अभी तक अपना जवाब दाखिल नहीं किया है। उन्होंने कहा कि एक न्यायिक आयोग का गठन किया गया है और उसे रिपोर्ट देने के लिए एक महीने का समय दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में पुलिस अधिकारियों को निलंबित किया गया है। शेट्टी ने सीलबंद लिफाफे में जवाब दाखिल करने का अनुरोध करते हुए कहा कि लंबित जमानत याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की जा रही है और मामले में दिए गए बयानों का इस्तेमाल आरोपियों द्वारा किया जा रहा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान :

बेंगलूरु के वेंकटेश्वरा नगर स्थित कल्पवृक्ष गेलेयारा बलगा द्वारा क्षेत्र में अणम्मादेवी एवं मारम्मादेवी उत्सव का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत का भी सम्मान किया ।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com